आज का सुविचार

ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ धन तो है लेकिन सम्मान नहीं।
-विनोबा

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-289 भोपाल, मंगलवार 31 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

भाद्रपद कृष्णा
नवमी, मंगलवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:02/6:42
वर्षा/बादल %	21 %
नमी %	75 %
वायु (किमी/घ.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	30°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 48,605

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत को दूसरा गोल्ड

» भारत का अब तक सबसे सफल पैरालिंपिक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो पैरालिंपिक में सोमवार को भारतीय एथलीट्स ने धमाल मचा दिया। शूटर अवनि लेखरा के बाद जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल ने भारत को एक और गोल्ड दिलाया है। उन्होंने स्न64 कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में 68.55 मीटर का थ्रो किया। सुमित का 5वां थ्रो बेस्ट रहा। सुमित ने 66.95 मीटर, 68.08 मीटर, 65.27 मीटर, 66.71 मीटर और 68.55 मीटर का थ्रो किया। छठा थ्रो फाउल रहा।

सुमित अंतिल ने जेवलिन थ्रो में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड

टोक्यो में फिर सुनने को मिला राष्ट्रगान

टोक्यो पैरालिंपिक्स में एक बार फिर राष्ट्रगान सुनने को मिला। पैरा शूटर अवनि लेखरा को पोडियम पर जब गोल्ड मेडल दिया गया, तब राष्ट्रगान से भारत का हर एक नागरिक गर्व से भर गया। इससे पहले टोक्यो ओलिंपिक्स में जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को गोल्ड मेडल मिलने के वक्त भी ऐसा ही माहौल था। अब नीरज ने अवनि को इसके लिए शुक्रिया कहा है। टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने भी अवनि को बधाई दी है।

अभिनव बिन्द्रा से प्रेरणा लेकर शूटिंग शुरू की:- अवनि कुछ दिन डिप्रेशन में रहीं और अपने आप को कुछ दिनों तक कमरे में बंद कर लिया था। माता-पिता के सतत प्रयासों के बाद अवनि में आत्मविश्वास लौटा और अभिनव बिन्द्रा की बायोग्राफी से प्रेरणा लेकर वह निशानबाजी करने लगीं।

अवनि ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया:- राजस्थान के जयपुर की रहने वाली अवनि पैरालिंपिक गेम्स में गोल्ड जीतने वाली भारत की पहली महिला एथलीट भी बन गईं। उन्होंने महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल के क्लास एसएच1 के फाइनल में 249 पॉइंट स्कोर कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 7वें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई थी।

शिल्पा-राज के रिश्ते में दरार
पति को छोड़ अलग रहने की प्लानिंग कर रही हैं शिल्पा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को लेकर मीडिया में एक नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शिल्पा अपने बच्चों के साथ पति राज कुंद्रा से अलग रहने की प्लानिंग कर रही हैं। दरअसल शिल्पा के पति राज कुंद्रा को 19 जुलाई 2021 को पोर्न फिल्में बनाने और ऐप पर रिलीज करने के आरोप में क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद से ही वो ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं और लगातार अपनी जमानत के लिए कोशिश कर रहे हैं। इस मामले से राज की पत्नी शिल्पा शेट्टी की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों में ही गहरा असर देखने को मिला है।

करनाल में लाठीचार्ज के विरोध में जुटे किसानों का सरकार को अल्टीमेटम-
7 सितंबर से पहले पुलिस-प्रशासन पर एक्शन लेना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हरियाणा के करनाल में महापंचायत में किसान नेताओं ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है। किसान नेताओं ने तीन मांगे रखी हैं उनका कहना है कि लाठीचार्ज के बाद मृतक किसान के परिवार को 25 लाख का मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही जो किसान घायल हुए हैं उन्हें 2-2 लाख का मुआवजा मिले। लाठीचार्ज के लिए दोषी अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके लिए किसान नेताओं ने सरकार को 6 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। नेताओं का कहना है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वो 7 सितंबर को करनाल में महापंचायत बुलाएंगे। हरियाणा के करनाल में महापंचायत के जरिए किसान नेताओं ने सरकार को जमकर घेरा। किसानों पर पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर घरौंडा अनाज मंडी में हजारों किसान जुटे।महापंचायत में 12 बजे से 2ः30 तक करीब 23 किसान नेताओं ने भाषण दिया। इस दौरान सभी ने अपनी-अपनी राय पेश की। किसान नेताओं ने संयुक्त रूप से मांग की कि SDM को बर्खास्त कर उसके खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जाए। साथ ही कहा गया कि सीएम मनोहर लाल किसानों से माफी मांगें। इसके बाद गुरनाम सिंह चढ़ूनी के नेतृत्व में प्रमुख नेताओं को पंडाल से बाहर किसान नेताओं की मांगों पर अंतिम फैसला लेने के लिए अलग से भेजा गया।

पूरे भारत में होनी चाहिए कॉल

विकास सीसर भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेशाध्यक्ष विकास सीसर ने कहा कि हरियाणा और पंजाबी कॉल नहीं होनी चाहिए। पूरे भारत की कॉल होनी चाहिए। अकेले सीएम मनोहर लाल पर ध्यान रखने से किसानों का लक्ष्य पूरा नहीं होगा। हरियाणा में किसानों के सिर फोड़े जा रहे हैं। 40 हजार किसानों पर मुकदमे दर्ज हो गए।

नहीं पहुंचे टिकैत, किसान मोर्चा से भी दो ही सदस्य पहुंचे:- महापंचायत में हरियाणा, पंजाब, यूपी के 40 किसान संगठनों के नेता किसानों की टोलियों के साथ घरौंडा पहुंचे। यहां किसानों और संगठनों को राकेश टिकैत के आने की पूरी उम्मीद थी।

किसानों पर केस दर्ज करने के लिए नहीं दिए थे वोट : सुरेश कौथ

भारतीय किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कौथ ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को इसलिए वोट दिए थे कि वह केंद्र में जाकर किसानों की बात रखेंगे। इसलिए नहीं कि किसानों पर केस दर्ज करवाएंगे। कौथ ने कहा कि दुष्यंत चौटाला को किसानों ने वोट इसलिए दिए थे कि वह किसानों के पक्ष में खड़े होंगे, न कि भाजपा की गोदी में बैठ जाएंगे। केस दर्ज करने हैं तो किसानों का नेतृत्व करने वाले किसान नेताओं पर दर्ज किए जाएं न कि आम किसानों पर। करनाल के डेरा कार सेवा की तरफ से अपनी गाड़ी में लंगर की सेवा शुरू की गई है। दूर दराज से आए किसानों के लिए भंडारा शुरू किया हुआ है।

रैनबैक्सी वाले बंधुओं की पत्नियों से ठगी
जमानत दिलाने के नाम पर 204 करोड़ रुपए ठगने का आरोप

» शिवेंदर के बाद मलविंदर की पत्नी ने भी शिकायत दर्ज कराई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स मलविंदर सिंह और शिवेंदर सिंह को जमानत दिलाने व जेल में सुरक्षा के नाम पर उनकी पत्नियों से ठगी का मामला सामने आया है। एक दलाल ने इनसे करीब 204 करोड़ रुपए ठगे हैं। दोनों पूर्व प्रमोटर्स की पत्नियों ने खुद इसकी शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में शिवेंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह ने पहले ही ऐसी शिकायत दर्ज कराई थी। अब मलविंदर की पत्नी जपना सिंह की शिकायत पर पुलिस ने स्न्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। यह केस दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने रोहिणी जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी, रंगदारी और आपराधिक साजिश के तहत दर्ज किया है।

शिवेंदर की पत्नी से भी 200 करोड़ की ठगी का आरोप

मलविंदर की पत्नी ने अपनी शिकायत में कहा कि उससे भी करीब चार करोड़ रुपए जमानत के नाम पर ठगे गए। इससे पहले शिवेंदर की पत्नी ने जमानत के नाम पर 200 करोड़ ठगने का आरोप लगाया था। इस मामले में आरोपी कैदी सुकेश से पूछताछ की जा रही है।

सुकेश के गुर्गे शिवेंदर की पत्नी से पैसे लेते थे:- पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी सुकेश ने खुद को सीनियर ब्यूरोक्रेट बताया था और कहा था कि वह उनके खिलाफ दर्ज जालसाजी के केस को खत्म करवा देगा। इस तरह का झांसा देकर वह उनसे पैसे ऐंठता रहा।

एंटीलिया केस में सचिन वझे को NIA की कस्टडी में भेजने से कोर्ट का इनकार

नईअिदल्ली।अंटीलिया बम केस और मनसुख हिरेन हत्याकांड केस में विशेष ह्लढ्ढ कोर्ट से मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारियों सचिन वझे और सुनील

माणे को राहत मिली है। अदालत ने इनकी हिरासत की ह्लढ्ढ की मांग को खारिज कर दिया। साथ ही कोर्ट ने वझे को उनके दिल की बीमारी के इलाज के लिए निजी अस्पताल में ट्रीटमेंट कराने की भी इजाजत दे दी है। दोनों फिलहाल तलोजा जेल में ज्यूडिशयल कस्टडी में हैं।

तालिबान ने बनाई ड्रग ट्रेड से दूरी
दुनिया में अच्छी इमेज बनाने के लिए अफगानिस्तान में अफीम की खेती पर लगाई रोक

» पिछले साल ड्रग्स से 11 हजार करोड़ रुपए कमाए थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज होने के बाद तालिबान दुनिया भर से अपने शासन के लिए रजामंदी चाह रहा है। इसके लिए वह कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है। खुद को बेहतर दिखाने के लिए तालिबान ने अफीम उगाने वाले प्रमुख राज्यों को इसकी खेती करने से रोक दिया है। यह भी तब जब तालिबान की फंडिंग का बड़ा हिस्सा इसी से आता है।

पिछले साल तालिबान ने ड्रग्स से 11 हजार करोड़ रुपए कमाए थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के मुताबिक, हालिया दिनों में तालिबानी प्रतिनिधियों ने कंधार में अफीम की खेती करने वाले किसानों से कहा है कि अब अफीम उगाना अवैध होगा। देश में अफीम की खेती वाले प्रांतों में कंधार प्रमुख है। अफीम यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देता है। इसके चलते देशभर में कच्चे अफीम के दाम तेजी से बढ़े हैं।

काबुल पर कब्जे के बाद कही थी ड्रग्स का व्यापार बंद करने की बात:- 18 अगस्त को तालिबानी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने 18 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि देश के नए शासक ड्रग के व्यापार को इजाजत नहीं देंगे। उस समय मुजाहिद ने यह नहीं बताया था कि इस व्यापार को रोकने के लिए क्या करेंगे। अब तालिबान ने अफीम की खेती पर ही बैन लगा दिया है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

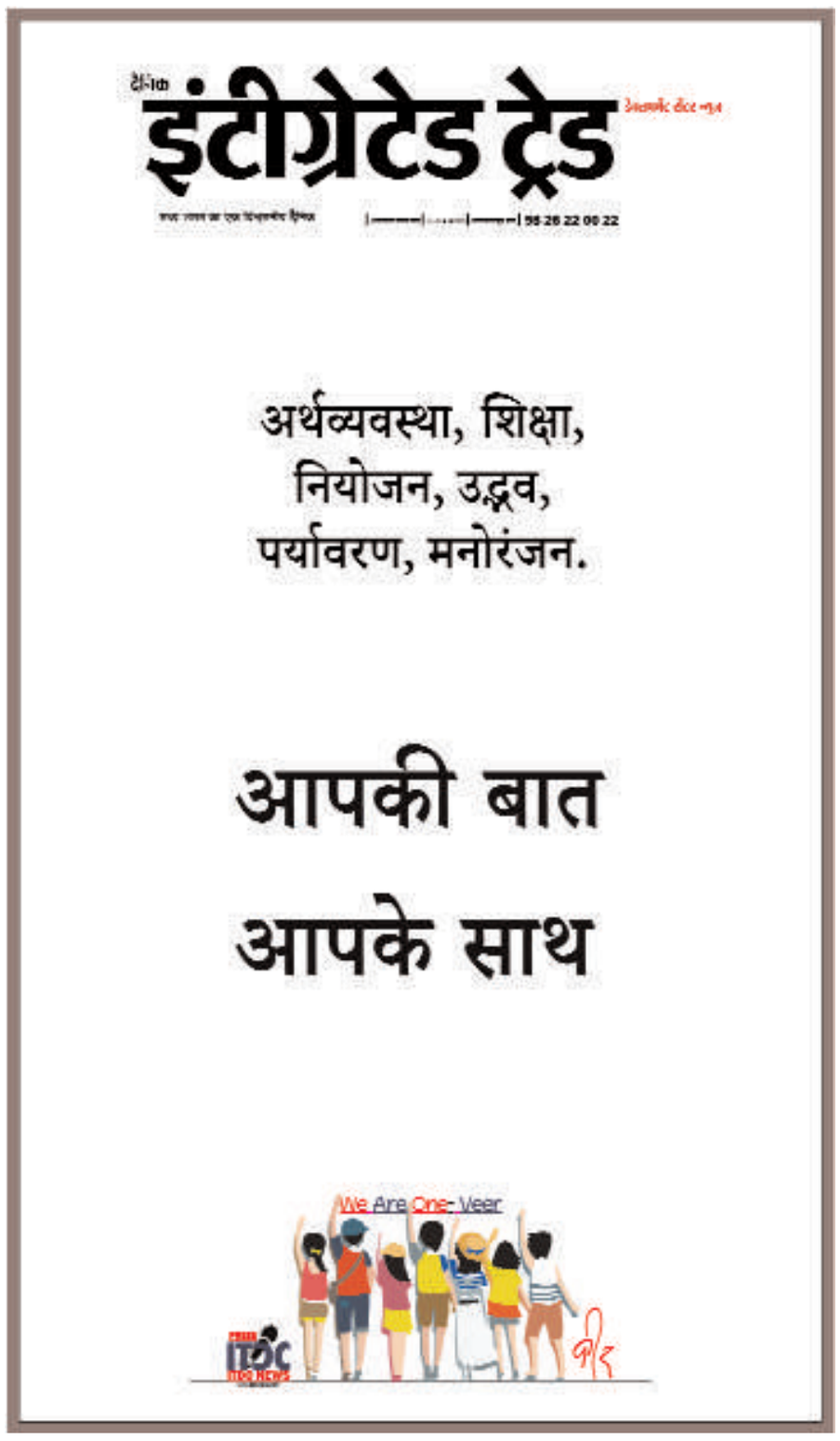

आपकी बात आपके साथ

भोपाल में मानसून फिर मेहरबान : बड़ा तालाब में पानी बढ़ा, फुल टैंक होने में 4.3 फीट पानी की और जरूरत

» कलियासोत, कोलार और केरवा में बढ़ोतरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में मानसून के एक्टिव होने से बड़ा तालाब समेत कलियासोत, कोलार और केरवा डैम में वाटर लेवल बढ़ने लगा है। 24 घंटे के भीतर बड़ा तालाब में 0.25 फीट पानी बढ़ चुका है। पानी की आमद अभी भी जारी है। फुल टैंक होने में अभी 4.3 फीट पानी की और जरूरत है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो 1 सितंबर तक स्न्न में अच्छी बारिश होगी। इससे भोपाल समेत प्रदेश के अन्य जलस्रोतों का वाटर लेवल बढ़ने की भी उम्मीद है।

इन जलस्रोतों से भोपाल की करीब 25 लाख आबादी की प्यास बुझती है। जून में मानसून ने समय से पहले आमद दे दी थी। रुक-रुककर तेज और रिमझिम बारिश का सिलसिला चलता रहा, लेकिन पिछले कुछ दिन से मानसून एक्टिव नहीं था। इस कारण डैम-तालाब का वाटर लेवल नहीं बढ़ सका। इधर, सप्लाई होने के कारण बढ़ने की बजाय लेवल घटने लगा, लेकिन अब मानसून एक बार फिर से एक्टिव हो गया है।

इतना बढ़ा वाटर लेवल

कोलार डैम: कोलार डैम का कुल वाटर लेवल 1516 फीट है। रविवार सुबह तक की स्थिति में डैम में 1493.33 फीट पानी था, जो सोमवार को 1493.76 फीट पर पहुंच गया। यानी आधा फीट पानी बढ़ गया। हालांकि, डैम को फुल भरने में अभी भी करीब 22 फीट पानी की जरूरत है।

केरवा डैम: इस मानसून में पानी की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी केरवा डैम में ही हुई है। कुल 1672 फीट वाले डैम में 1664.20 फीट पानी जमा हो चुका है। 24 घंटे में केरवा डैम में भी पानी जमा हुआ है। फुल टैंक होने में 8 फीट पानी और चाहिए।

राज्यपाल पटेल ने महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सोमवार को उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँचकर श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन कर पूजन-अर्चन की और आरती में सम्मिलित हुए। पूजन-अभिषेक मंदिर के पुजारी पं. संजय शर्मा एवं पं. प्रमोद शर्मा द्वारा संपन्न करवाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा राज्यपाल का स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किया। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, उज्जैन उत्तर विधायक श्री पारस जैन एवं मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक सुश्री पूर्णिमा सिंघी, श्री मूलचंद जूनवाल, श्री प्रतीक द्विवेदी व अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

सांदीपनि आश्रम में दर्शन किए:- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने उज्जैन में महर्षि सांदीपनि आश्रम में श्री कृष्ण पाठशाला में उनके गुरु महर्षि सांदीपनि व्यास और भगवान श्री कृष्ण, श्री सुदामा और श्री बलराम के दर्शन कर पूजन-अर्चन की। पूजन-अर्चन आश्रम के पं. रूपम व्यास, पं. राजू गुरु चोटीवाला और पं. राहुल व्यास द्वारा संपन्न कराया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने सांदीपनि आश्रम में स्थित श्री कुंडेश्वर महादेव और श्री सर्वेश्वर महादेव के भी दर्शन किए। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएँ दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रोपा कदम्ब का पौधा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी पार्क में आज कदम्ब का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के पालन में प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं। कदम्ब को देव का वृक्ष माना जाता है। कदम्ब आयुर्वेद में अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसके फल नींबू की तरह होते हैं। कदम्ब के फूलों का अपना महत्व है। प्राचीन वेदों और रचनाओं में इन सुगन्धित फूलों का उल्लेख मिलता है। राधा-कृष्ण की अनेक लीलाओं का इसी वृक्ष के सुगन्धित वातावरण में होने का उल्लेख भी है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री चौहान ने दुष्यंत कुमार की धर्मपत्नी के निधन पर दुख व्यक्त किया

भापेाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के प्रख्यात कवि और गज़लकार स्व. दुष्यंत कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती राजेश्वरी दुष्यंत के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट कर श्रीमती राजेश्वरी दुष्यंत कुमार की आत्मा की शांति एवं परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

नगरीय निकायों के विभिन्न करों के अधिभार में छूट का अंतिम दिन 31 अगस्त

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि वैश्विक महामारी कोरोना में रोजगार-धंधे सहित अन्य क्षेत्रों में आयी गिरावट के कारण नागरिकों को नगरीय निकायों के विभिन्न करों के अधिभार में छूट देने का निर्णय गत 3 जून को लिया गया था। इस छूट का लाभ 31 अगस्त 2021 तक मिलेगा। श्री श्रीवास्तव ने नागरिकों से आग्रह किया है कि 31 अगस्त तक लंबित करों का भुगतान कर इस छूट का लाभ जरूर लें। नागरिक कर/ उपभोक्ता प्रभार/ किराया / भू भाटक, बेबसाइट mpenagarpalika.gov.in अथवा UPI जैसे Phone Pay, PayTM, Google pay से आनलाईन अथवा नगरीय निकाय कार्यालय में जमा कर सकते हैं। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा संबंधित करदाताओं को मैसेज भी भेजे गए हैं, जिसके लिंक पर जाकर भी भुगतान किया जा सकता है। संपत्ति कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये तक बकाया होगी उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। संपत्ति-कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रूपये तक बकाया होगी उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत और संपत्ति-कर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रूपये से अधिक बकाया होगी उनमें मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। नगरीय निकायों द्वारा व्ययन की गयी परिसंपत्तियों के भू-भाटक/किराये के ऐसे प्रकरण जिनमें अधिभार सहित कुल देय राशि 20 हजार रूपये तक बकाया होगी ।

श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जयिनी में आकर मन गौरव का अनुभव कर रहा

राज्यपाल पटेल ने विक्रम विश्वविद्यालय के 130 नवीन पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया

सभी मिलकर सार्थक प्रयास करें, भारत पुनः विश्वगुरू कहलायेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विक्रम कीर्ति मन्दिर में विक्रम विश्वविद्यालय के 130 नवीन पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक साथ 130 से अधिक नवीन पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। इन्हें मिलाकर अब कुल 180 पाठ्यक्रम हो जाएंगे। नवीन पाठ्यक्रम युवाओं को भविष्य में नवीन ऊँचाइयों पर लेकर जायेंगे। नवीन पाठ्यक्रम युवाओं को एक ही विषय में बंधे रहने से मुक्त करायेगा और आगे बढ़ने में मदद कर आत्म-निर्भर बनायेगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय को संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये। हम सब प्रयास करें कि भारत पुनः विश्वगुरू कहलाये।

राज्यपाल श्री पटेल ने सभी लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जयिनी रही है। उज्जयिनी की पावन एवं पवित्र नगरी में आने से मेरा मन गर्व का अनुभव कर रहा है। उज्जयिनी नगरी प्राचीनकाल से ही पवित्र नगरी रही है। यहाँ के लोगों का सौभाग्य है कि स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने यहाँ गुरू सान्दीपनि के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण की। उस समय राज परिवार एवं सामान्य बालक सब एक साथ गुरूकुल में शिक्षा ग्रहण करते थे। भगवान श्रीकृष्ण एवं सुदामा ने साथ ही गुरू सान्दीपनि के आचार्यत्व में शिक्षा ग्रहण की। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में अर्जुन को कर्त्तव्य पालन की सीख दी। श्री पटेल ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय में पढ़कर अनेक विद्यार्थी निकले हैं, जिन्होंने जीवन में महत्वपूर्ण पद प्राप्त किये हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जब उज्जयिनी के गुरूकुल में शिक्षा ग्रहण करने आये थे, उस समय का जो दृश्य रहा होगा वहीं आज भी महसूस हो रहा है। आज हमारे बीच राज्यपाल श्री पटेल का आगमन हुआ है। श्री यादव ने कहा कि सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय उज्जैन का विक्रम विश्वविद्यालय है। यहाँ जितने नवीन पाठ्यक्रम एवं कोर्स संचालित किये हैं, इससे विक्रम विश्वविद्यालय नम्बर-1 का विश्वविद्यालय हो गया है। विश्वविद्यालय में ड्राइंग, डिजाईन, थिएटर, ड्रामा, नृत्य, गीत के विषय भी रहेंगे। भगवान श्रीकृष्ण की 14 विद्याएँ एवं 64 कलाओं पर आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को दिलाने का प्रयास किया जायेगा। खेल को भी कोर्स का हिस्सा बनाया जायेगा। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की है। शिक्षा नीति में कोई भी विद्यार्थी एक विषय लेकर कुछ समय पश्चात दूसरे विषय में भी प्रवेश ले सकता है।

मुख्यमंत्री ने दी स्वर्ण और रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई

- » भारत का गौरव बढ़ाया खिलाड़ियों ने
- » आज का दिन पैरा ओलिंपिक खेलों में भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टोक्यो पैरा ओलिंपिक में भारत को स्वर्ण और रजत पदक दिलवाने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से पदक प्राप्त कर भारत का गौरव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि पैरा ओलिंपिक में आज भारत को 2 पदक मिले हैं, जिसमें भारत को मिला पहला गोल्ड पदक शामिल है। अवनि लखेरा ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में पहला स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल जीता। इसी तरह योगेश कठुनिया को डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) में सिल्वर पदक मिला है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विजेताओं को बधाई दी है। पुरूषों की ऊँची कूद टी-47 वर्ग में भारत के निषाद कुमार ने रजत पदक जीता। पुरूषों की भाला फेंक स्पर्धा में देव झांझारिया ने रजत और सुंदर एस गुर्जर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कल ही टेबल टेनिस में भी कु. भाविना बेन पटेल के श्रेष्ठ प्रदर्शन से भारत को रजत पदक मिला है। अपने खेल के प्रति कर्मठता और परिश्रम से खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि प्राप्त की और देश का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज का दिन पैरा ओलिंपिक खेलों में भारतीय इतिहास का स्वर्णिम दिन है। यह उपलब्धियाँ हर्ष बढ़ाने वाली हैं। खिलाड़ियों की मेहनत और तप से भारत का शीश और ऊँचा हुआ है। खिलाड़ी राष्ट्र को गौरवान्वित करते रहें, देश की शुभकामनाएँ इनके साथ हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समस्त खेल प्रेमियों को भी हृदय से बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बालाघाट में क्रम पूर्व पुलिस पदोन्नति समारोह में पुलिस कर्मियों को पदोन्नति बैच लगाकर सम्मानित किया।

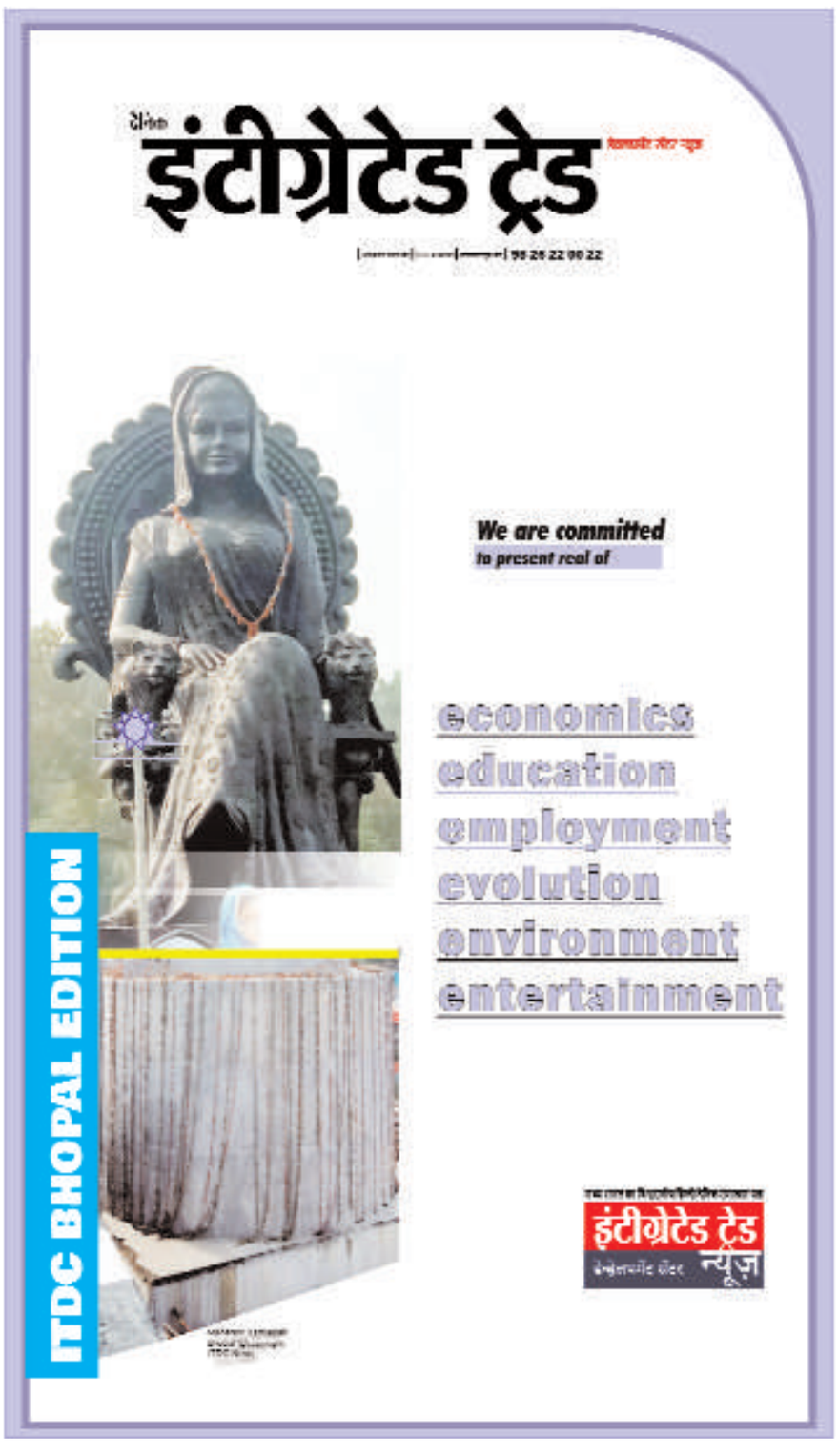

भोपाल में SBI बैंक में आग : अरेरा हिल्स की शाखा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग; फर्नीचर और कागजात जले, 3 फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के अरेरा हिल्स स्थित भारतीय स्टेट बैंक में सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही माता मंदिर फायर स्टेशन से 3 गाड़ियां भेजी गईं। आग बैंक के ऑफिस वाले हिस्से में लगी। मौके पर पहुंचे एमपी नगर पुलिस थाने के,स्द्ध संजय सिंह ने बताया, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि अभी इसकी जांच की जा रही है।

आग से फर्नीचर और कुछ कागजात जल गए हैं। 3 फायर ब्रिगेड की मदद से 1 घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए स्नस्रु टीम को भी मौके पर बुलाया है। अभी तक नुकसान का अंदाजा नहीं लगाया जा सका था। बैंक के अधिकारी और कर्मचारी भी बैंक पहुंच गए।

मैनेजर के केबिन में लगी थी आग

जानकारी के अनुसार आग ब्रांच मैनेजर के केबिन में लगी थी। बताया जाता है कि आग की सूचना फायर ब्रिगेड को करीब 10.30 बजे मिली थी। आग से मैनेजर के टेबल पर रखे कागजात जल गए। दोपहर एक बजे के बाद बैंक में कुछ छोटे काम भी शुरू हो गए थे। बैंक में नर्मदा प्राधिकरण के कर्मचारियों के खाते हैं। इसमें करीब डेढ़ हजार खाता धारक बताए जाते हैं। हालांकि सोमवार को अवकाश होने के कारण ज्यादा असर नहीं पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने का अच्छा समय

मुंबई। मुंबई की फोटोग्राफर और स्व-घोषित पर्यावरणविद दुर्गा राणे अपनी उम्र के 20 के दशक में हैं। उन्होंने पेट्रोल स्कूटर के बजाय इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने की योजना बनाई है। राणे कहती हैं, %मैं जलवायु परिवर्तन और ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हूं, लेकिन इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इन चिंताओं का समाधान करता है। इसके अलावा यह वित्तीय रूप से भी लंबे समय में अच्छा सौदा लग रहा है।% राणे भी इन वाहनों के बढ़ते खरीदारों में से एक हैं। उद्योग के विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार वर्ष 2017 से 2025 के बीच कीमत के लिहाज से 77 फीसदी सीएजीआर से बढ़ेगा। ऐसे में अगर आप इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो क्या यह सही समय है?

दोपहिया बनाम कार :- फ्रोस्ट ऐंड सुलिवन में उपाध्यक्ष (आवागमन) कौशिक माधवन ने कहा कि हां, अगर आप इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमें अगले छह से 12 महीनों के दौरान बहुत से उत्पादों की पेशकश देखने को मिलेगी। माधवन ने कहा, कंपनियां बायबैक गारंटी सबस्क्रिप्शन कार्यक्रम, लघु अवधि के लिए किराये जैसे आसान स्वामित्व विकल्पों की पेशकश कर रही हैं। राणे जैसे लोगों को ध्यान में रखते हुए ही ओला इलेक्ट्रिक ने इस महीने की शुरुआत में अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारा है। इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में पहले ही बहुत सी कंपनियां मौजूद हैं, जिनमें इथर एनर्जी, हीरो इलेक्ट्रिक, बजाज चेतक और टीवीएस मोटर कंपनी, सिंपल एनर्जी आदि शामिल हैं। लेकिन अगर आप इलेक्ट्रिक कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो इंतजार करना बेहतर होगा। माधवन कहते हैं, इस समय इलेक्ट्रिक कार खंड में ज्यादातर विकल्प महंगे हैं। वे आम आदमी की पहुंच में नहीं हैं। कारदेखो डॉट कॉम के मुताबिक भारत में स्ट्रोम मोटर्स की आर3 सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार है, जबकि सबसे महंगी मर्सीडीज बेंज ईक्यूसी है। देश में आगे आने वाली इलेक्ट्रिक कारों में टाटा टिगोर ईवी 2021, ऑडी ई-ट्रोन जीटी और मर्सीडीज बेंज ईक्यूए शामिल हैं।

कई नए क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई किया है तो कैंसिल हो सकता है आपका होम लोन आवेदन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

होम लोन लेकर घर खरीदना आसान है, लेकिन लंबी अवधि का यह कर्ज सभी को नहीं मिलता है। बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां कई मानदंडों पर आवेदक को वेरिफिकेशन करते हैं। कर्ज पर निर्भरता और पेमेंट हिस्ट्री के साथ-साथ आवेदक की योग्यता, अनुभव, परिवार में आश्रितों की संख्या आदि इनमें शामिल हैं। इनमें से कोई भी मानदंड पूरा न होने पर आवेदन कैंसिल हो सकता है।

100 फीसदी लोन नहीं मिलता, गारंटी भी देनी पड़ सकती है

डाउन पेमेंट : कर्जदाता प्रॉपर्टी के बाजार मूल्य का केवल 80 फीसदी लोन देते हैं (30 लाख रुपए से कम मूल्य के होम लोन के मामले में 90 फीसदी तक)। बाकी पैसे यानी डाउन पेमेंट का इंतजाम आपको खुद करना होगा।

गारंटी: कुछ मामलों में कर्जदाता किसी प्रॉपर्टी या कार की गारंटी देने के लिए कह सकते हैं। आप लोन नहीं चुकाएंगे तो कर्जदाता प्रॉपर्टी या कार पर कब्जा कर सकता है। लोन के लिए बैंक को कभी भी कोई गलत जानकारी न दें।

क्रेडिट यूज: यदि आपके नाम पर ज्यादा लोन खाते चल रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में होम लोन के लिए आपका आवेदन मंजूर होने की संभावना कम हो जाएगी।

पेमेंट हिस्ट्री: आपकी क्रेडिट और पेमेंट हिस्ट्री बताती है कि आपने पहले देनदारियां कैसे संभाली थी और आप कर्ज चुकाने में कितने सक्षम हैं। क्रेडिट हिस्ट्री के आधार पर आपका क्रेडिट स्कोर तैयार किया जाता है।

आय: आपको कितना होम लोन मिलेगा, यह बहुत हद तक आपकी आय पर निर्भर करता है। आय जितनी अधिक होगी, बैंक या हाउसिंग फाइनेंस कंपनी उतनी ही ज्यादा रकम बतौर होम लोन देने के लिए तैयार होगी।

कार्ड एप्लीकेशन: कुछ बैंक या हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां एक साथ कई नए क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने को आपके वित्तीय संकट में होने का संकेत मानती हैं। हालांकि, कई कर्जदाता मोर्टगेज लोन, कार लोन या एजुकेशन लोन के लिए किए गए आवेदनों की चिंता नहीं करते हैं।

डॉक्यूमेंटेशन: कर्जदाता आपकी बचत और सेवानिवृत्ति खातों को सत्यापित करने के लिए आपके हालिया भुगतान की रसीदें चाहते हैं। बैंक का हामीदारी विभाग किसी विसंगति या अंतराल को स्पष्ट करने के लिए भी आपसे संपर्क कर सकता है।

निवास: यदि आप मकान लेने से पहले किराएदार थे, तो कर्जदाता आपके पिछले मकान मालिक से संपर्क की जानकारी मांगेंगे। यदि आपने संपत्ति बंधक रखी है, तो वे पेमेंट हिस्ट्री भी बारीकी से देखेंगे।

आयु: होम लोन लेने की आपकी पात्रता एक निश्चित अवधि के लिए आंकी जाती है जिसे कार्यकाल कहा जाता है। कार्यकाल यानी लोन कितने समय के लिए मिलेगा, यह आपकी उम्र और एक निश्चित अवधि में लोन चुकाने की आपकी क्षमता से तय होता है।

सरकार ने इसके लिए 4,732 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया

फिर मिलेगा सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में पैसा लगाने का मौका, 4,732 रुपए में मिलेगा 1 ग्राम सोना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 की 6वीं सीरीज की बिक्री आज, यानी 30 अगस्त से शुरू होगी जो 3 सितंबर तक चलेगी। सरकार ने इसके लिए 4,732 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 10 ग्राम सोने के लिए 46,820 रुपए देने होंगे।

बीते 6 सालों में दिया 73 फीसदी का रिटर्न

2015-16 में जब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को लॉन्च किया गया था, तब इसका प्रति ग्राम भाव 2,684 रुपए था। इस पर 50 रुपए का डिस्काउंट था। यानी, भाव 2,634 रुपए हो गया था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की अभी जो सीरीज लॉन्च हुई है, उसका भाव 4,732 रुपए है। 50 रुपए डिस्काउंट के साथ यह भाव अब 4,682 रुपए पर आ गया है। इस तरह से पिछले 6 सालों में इस स्कीम से 73 फीसदी का रिटर्न मिला है।

RBI जारी करता है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे RBI की तरफ से जारी किया जाता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। इसका मूल्य सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे खरीदने के लिए सेबी के अधिकृत ब्रोकर को इश्यू प्राइस का भुगतान करना होता है। बॉन्ड को बेचने के बाद पैसा निवेशक के खाते में जमा हो जाता है।

इश्यू प्राइस पर मिलता है 2.50 फीसदी ब्याज

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50 फीसदी का निश्चित ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने में आपके खाते में पहुंच जाता है। यानी 47,320 रुपए के निवेश पर हर साल 1,196 रुपए और 8 साल में कुल मिलाकर 10,464 रुपए ब्याज के तौर पर मिल जाएंगे। हालांकि, इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश

कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम तक वैल्यू का बॉन्ड खरीद सकता है। हालांकि, किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

8 साल रहता है इसका मैच्योरिटी पीरियड

बॉन्ड का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल का है, लेकिन निवेशकों को 5 साल के बाद बाहर निकलने का मौका मिलता है। यानी, अगर आप पैसा निकालना चाहते हैं तो 5 साल के बाद निकाल सकते हैं। हस्श्व के मुताबिक लोन लेने के दौरान कोलेटरल के रूप में भी इन सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा ये बॉन्ड NSE पर ट्रेड भी करते हैं।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है। सॉवरेन 8 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता।

बोर्ड मीटिंग में मिली मंजूरी

राइट्स इश्यू के जरिए एयरटेल जुटाएगी 21 हजार करोड़ रुपए

ब्रोकरेज हाउस ने दी खरीदने की सलाह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल 21 हजार करोड़ रुपए जुटाएगी। इसके लिए कंपनी राइट्स इश्यू लाएगी। रविवार को बोर्ड मीटिंग में इस योजना के लिए कंपनी को मंजूरी मिल गई। एयरटेल का शेयर आज 2 फीसदी ऊपर 603 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

एयरटेल दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है:- ग्राहकों की संख्या के आधार पर एयरटेल देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। राइट्स इश्यू का मतलब वर्तमान निवेशकों को ही शेयर बेचकर पैसा जुटाने से है। इस पैसे से कंपनी अपने कैश रिजर्व को मजबूत करेगी। साथ ही कुछ देनदारी को भी इस पैसे से चुकाएगी। कंपनी कुछ पैसे नेटवर्क को बढ़ाने और 5त्न के एयरवेज की नीलामी और उसके रोल आउट पर भी खर्च करेगी।

हर 14 शेयर पर एक शेयर मिलेगा:- राइट्स ऑफर के तहत शेयर धारकों को हर 14 शेयर पर एक शेयर मिलेगा। कंपनी इसे 535 रुपए पर देगी। आज के शेयर के भाव के हिसाब से यह 10 फीसदी डिस्काउंट पर मिलेगा। फिलहाल इसके शेयर का भाव 603 रुपए है। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर अच्छा बढ़ा है। 16 अगस्त को यह शेयर 644 रुपए के अपने हाई पर पहुंच गया था।

करदाताओं को बड़ी राहत

इंटरेस्ट इनकम के लिए 31 दिसंबर तक डिक्लेरेशन देंगे तो नहीं कटेगा टीडीएस

विवाद से विश्वास स्कीम के तहत भुगतान की समयसीमा एक महीने बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आपकी उम्र 60 साल से कम है, ब्याज से भी आमदनी होती है और टैक्सेबल इनकम ढाई लाख रुपए से कम है, तो यह खबर आपके लिए है। ब्याज से होने वाली आमदनी पर बैंक टीडीएस न काटे, इसके लिए आपकी तरफ से फॉर्म 15एच के जरिए डिक्लेरेशन देने की अंतिम तारीख सरकार ने बढ़ा दी है।

15एच फॉर्म 31 दिसंबर 2021 तक जमा कराने की सुविधा:- अब आप 30 सितंबर को खत्म होने वाले क्वॉर्टर के लिए बैंक के पास 15एच फॉर्म 31 दिसंबर 2021 तक जमा करा सकते हैं। सरकार ने इसके लिए पहले 15 अक्टूबर तय की समय-सीमा तय की हुई थी।

पांच लाख रुपए तक की टैक्सेबल इनकम वाले बुजुर्गों को भी लाभ:- इसका लाभ ब्याज की कमाई पर निर्भर फॉर्म 15जी दाखिल करने वाले 80 साल से कम के बुजुर्गों को भी मिलेगा जिनकी टैक्सेबल इनकम 3 लाख रुपए से कम है। ब्याज आय पर निर्भर और पांच लाख रुपए तक की टैक्सेबल इनकम वाले ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को भी इस एक्सटेंशन का लाभ दिया गया है।

टैक्स रिटर्न फाइलिंग पोर्टल पर तकनीकी दिक्कतें:- सरकार ने विवाद से विश्वास सेटलमेंट केस में किए जाने वाले भुगतान सहित 10 से ज्यादा फॉर्म्स भरने की अंतिम तारीख भी बढ़ाई है। यह कदम इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग पोर्टल पर आई तकनीकी दिक्कतों के बीच उठाया गया है। इसके लिए सीबीडीटी ने रविवार को एक सर्कुलर जारी किया था। विवाद से विश्वास योजना के तहत अतिरिक्त रकम चुकाए बिना टैक्स भुगतान करने की अंतिम तारीख को 31 अगस्त से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है।

21,000 करोड़ जुटाएगी एयरटेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारती एयरटेल के निदेशक मंडल ने कंपनी को 21,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने के प्रस्ताव को आज मंजूरी दे दी। इस रकम से कंपनी मुख्य रूप से वित्त वर्ष 2022 में समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित देनदारियों का भुगतान करेगी। निदेशक मंडल ने पात्र इक्विटी शेयरधारकों को राइट इश्यू के जरिये 5 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर जारी करने की अनुमति दी है। भारती एयरटेल के एक अधिकारी ने कहा कि इश्यू का आकार 21,000 करोड़ रुपये तक का होगा। एयरटेल ने कहा, %रिकॉर्ड तिथि को पात्र शेयरधारकों के पास मौजूदा प्रत्येक 14 इक्विटी शेयर के लिए राइट इश्यू में 1 इक्विटी शेयर जारी किया जाएगा।% जहां तक इश्यू मूल्य के भुगतान की बात है तो इसके लिए आवेदन करते समय 25 फीसदी का भुगतान करना होगा और शेष राशि दो या अधिक किस्तों में देनी होगी। इसका निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल या बोर्ड की समिति द्वारा किया जाएगा, जो कंपनी की जरूरत के हिसाब से 36 महीने के अंदर तय किया जाएगा।

भारती एयरटेल का शेयर बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर शुक्रवार को 1.2 फीसदी बढ़त के साथ 593.95 रुपये पर बंद हुआ था। कंपनी ने एजीआर मुद्दे पर पिछले हफ्ते सर्वोच्च न्यायालय में समीक्षा याचिका दायर की थी। भारती एयरटेल ने एजीआर से संबंधित गणना में गणितीय त्रुटियों में सुधार करने की गुहार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 जुलाई को वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल की उस याचिका को खारिज कर दिया था।

कार कंपनियों के रंग में भंग डालेगी चिप की किल्लत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

कार विनिर्माताओं के लिए त्योहारी सीजन का मतलब मुख्य रूप से आकर्षक उपभोक्ता पेशकशों के जरिये बिक्री को बढ़ाना और नकदी की आवक लगातार जारी रहना होता है। हालांकि तगड़ी मांग के बावजूद यह साल अलग हो सकता है। दुनिया भर में चिप की किल्लत है। इससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है, लेकिन मांग तगड़ी बनी हुई है। यह मांग आगामी महीनों में और बढ़ने के आसार हैं, जिससे मांग और आपूर्ति में अंतर और बढ़ सकता है

और कार मॉडलों के लिए ज्यादा इंतजार करना पड़ सकता है। इसका यह भी मतलब है कि छूट और मुफ्त उपहार समेत उपभोक्ता पेशकश भी गायब रहेंगी। कार कंपनियों के डीलरों और अधिकारियों ने कहा कि इस समय खरीदारों को अपनी पसंदीदा कार घर लाने के लिए डेढ़ से तीन या चार महीनों का इंतजार करना पड़ रहा है, जो कार के मॉडल और शहर पर निर्भर करता है। यह इंतजार अगले कैलेंडर वर्ष में बढ़कर छह से नौ महीने तक पहुंच सकता है। मारुति सुजूकी में कार्यकारी निदेशक (बिक्री एवं विपणन) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, इस साल चिप की किल्लत खेल बिगाड़ सकती है। तीसरी लहर के डर और आगामी सप्ताह में मॉनसून में संभावित कमी से भी त्योहारी मांग सुस्त रह सकती है।% उन्होंने कहा कि इस महीने की शुरुआत में ओणम से सीजन की अच्छी शुरुआत हुई है। कार बाजार की इस अगुआ के पास रोजाना औसतन 800 कार की बुकिंग आ रही हैं, जो पिछले साल 500 ही थीं। लेकिन अब भी यह आंकड़ा 2019 में रोजाना 1,000 कार बुकिंग की तुलना में है। मारुति की कारों के लिए इंतजार का औसत समय तीन सप्ताह से आठ महीने तक है, जो ईंधन के प्रकार, वैरिएंट और शहर पर निर्भर करता है। लेकिन नवरात्रि और दीवाली से पहले यह इंतजार और लंबा हो सकता है क्योंकि खरीदार इस अवधि को वाहनों की डिलिवरी के लिए शुभ मानते हैं।

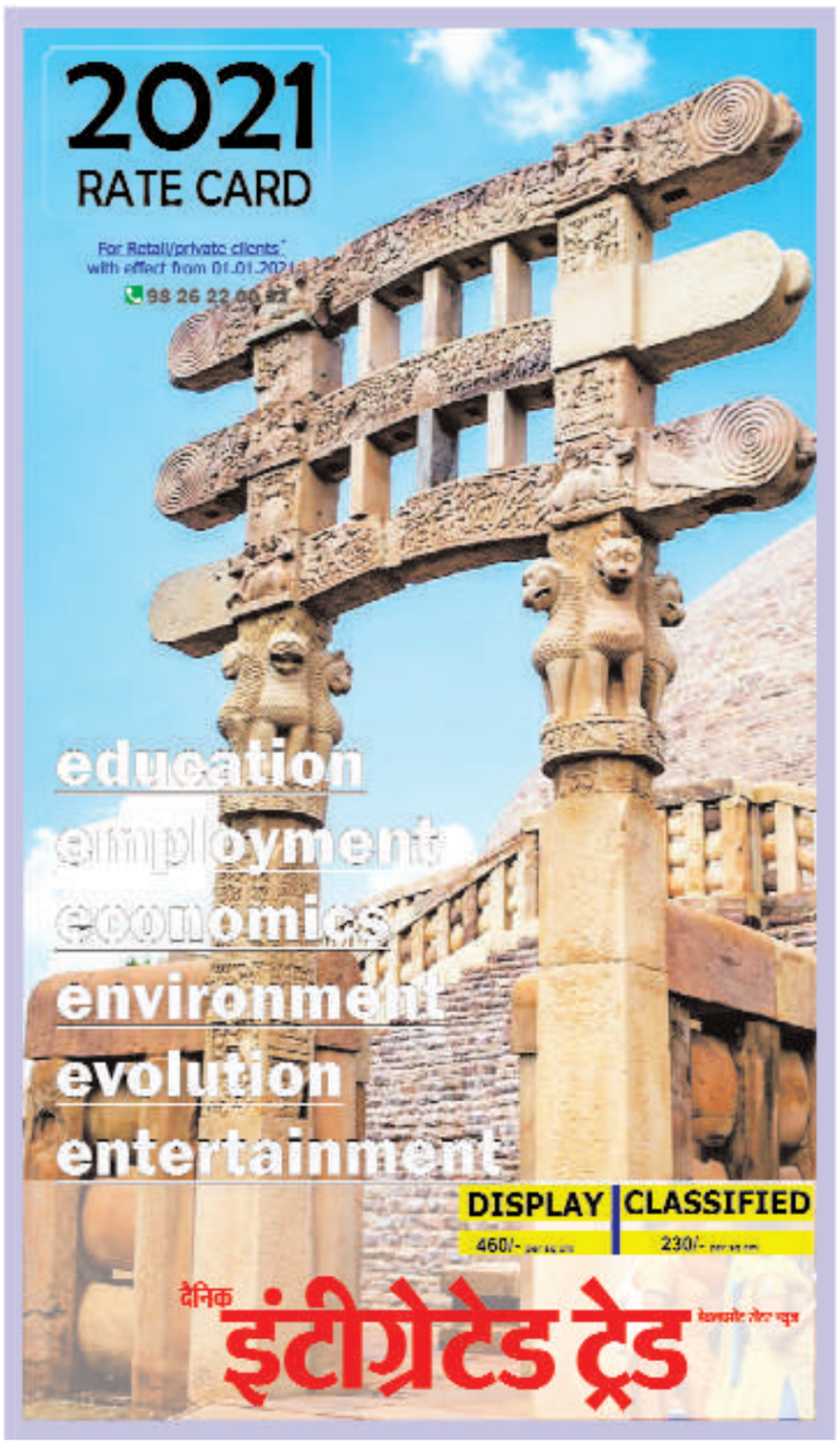

श्याम मोह लियो बांसुरी बजाय के

श्रीकृष्णावतार के पहले ठुमरी धरती पर थी ही नहीं। माना जाता है, तब तक यह केवल इंद्र के दरबार की शोभा थी। धराधाम पर मानव रूप में अवतरण से पहले श्रीकृष्ण ने इंद्र के दरबार में जाकर ठुमरी सीखी थी। भूलोक पर ठुमरी की प्रथम शिक्षा उन्होंने प्रद्युम्न और पांचों पांडवों को दी। इसके प्रमाण संस्कृत शास्त्र में विद्यमान हैं। इस दृष्टि से यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ही धरती पर ठुमरी का उद्भव दिवस है। मेरे लिए तो जन्माष्टमी, ठुमरी जयंती का महान उत्सव भी है। श्रीकृष्ण के काल में ठुमरी के दो रंग थे। एक थी आसारित ठुमरी और दूसरी हल्लीकस। जहां आसारित, भावनृत्य ठुमरी है, वहीं हल्लीकस गत भाव की ठुमरी है। आसारित ठुमरी गोपियां भगवान श्रीकृष्ण का हाथ पकड़कर नृत्य करते हुए गाती थीं। हल्लीकस ठुमरी गोपियां श्रीकृष्ण के सम्मुख बैठकर भाव से सुनाती थीं। इन्हीं दो मूल शैलियों से ठुमरी के दस प्रकार कालांतर में विकसित हुए। पद्मविभूषण पंडित बिरजू महाराज के पुरखों ने गत भाव की ठुमरी को विशेष रूप से प्रचारित-प्रसारित किया। मेरे लिए तो श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एक ऐसा विशिष्ट अवसर है, जब मैं सभी दस प्रकार की ठुमरी से श्रीकृष्ण की अर्चना करता हूं। स्वर और लय का सृजन विश्वेश्वर ने किया, तो स्वर-लय का विराट शृंगार विश्वरूप धारक ने किया। उस शृंगार का आधार उनकी मनमोहिनी बांसुरी बनी। श्रीराधारानी को सौतन सी लगने वाली श्रीकृष्ण की बांसुरी में संपूर्ण संगीत समाहित है। ध्रुपद, ख्याल, सुगम और लोक संगीत में उपस्थित प्रत्येक सुर, लय, ताल का समागम बांसुरी में है। मेरी ऐसी अटल धारणा है कि विश्वंभर द्वारा उत्पन्न संगीत के प्रभाव को लीलाधर ने ही जीव में प्रतिष्ठित किया। गोवर्धनधारी के हाथ में बांसुरी इसी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। श्रीकृष्ण और संगीत एक-दूसरे के पूरक हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के विशेष अवसर को बचपन से अब तक मैंने कई स्वरूपों में देखा है। मुझे आजमगढ़ जनपद स्थित अपने गांव हरिहरपुर की जन्माष्टमी याद है। तब बहुत गरीबी थी, बिजली-बत्ती भी नहीं थी। दस-पंद्रह घरों के लोग मिलकर एक जगह झांकी सजाते थे। गीत-गवनई होती थी। भजन-कीर्तन होता था। सजावट के लिए सबके घरों से लालटेन और ढिबरी मंगाई जाती थी। जब मैं आठ वर्ष का हुआ, तब पिता ने मुझे मेरे संगीत गुरु उस्ताद अब्दुल गनी खां के घर छोड़ दिया था। उसके बाद अगले 15 साल तक मैं मुजफ्फरपुर के चतुर्भुज स्थल स्थित गुरु के आवास पर रहा। वहां के विष्णु मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पूरे दिन ठुमरी गाता था। विख्यात साहित्यकार पंडित जानकी वल्लभ शास्त्री भी आ जाते। वह मुझसे हारमोनियम सीखते थे। उनकी एक रचना रंक को आज दान देने दो, मूक को आज गान देने दो मैं अब भी बहुत चाव से गाता हूं। खैर, मुजफ्फरपुर के सूतापट्टी में कपड़ा व्यवसायियों द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में कई बार गाने का मौका मिला। वहां मैंने मशाल की रोशनी में तो गाना-बजाना किया ही, रंग-बिरंगी लाइट से जगमग परिसरों में भी गायन किया। जन्माष्टमी पर साज-सज्जा से लेकर पूजा-पाठ तक बहुत कुछ बदल गया, लेकिन एक चीज जो नहीं बदली, वह है मेरा अर्चना-क्रम। मैं हर साल जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण को ठुमरी सुनाता हूं। यह क्रम विगत साठ वर्षों से अनवरत है। जब मैं विलंबित लय में बोलबनाव की ठुमरी अब न बजाओ श्याम बांसुरिया गाता हूं, तब यह मानकर शुरुआत करता हूं कि भगवान श्रीकृष्ण लड्डू गोपाल स्वरूप में मेरे समक्ष विराजमान हैं और मैं उन्हें सुना रहा हूं। मध्य लय में बोलबनाव की ठुमरी लागे तोसे नैन देखे बिना कल ना परत दिन रैन गाता हूं, तो मुझे मेरे प्रभु घुटनों के बल मेरे आसपास घूमते प्रतीत होते हैं। गत भाव की ठुमरी देखो-देखो कैसी करत है ये रार, लपट-झपट में टूटो गरे को हार गुनगुनाता हूं, तो प्रभु को गोपियों संग लीला रचाते हुए महसूस करता हूं। भावनृत्य ठुमरी रंग रंगीली रसीली छबीली बृजनार, वो तो नैन की सैन से मारत बान को सुर में उतारते समय मेरे मानस पटल पर ऐसी दृश्यावली उभरती है, जिसमें मेरे श्याम, श्यामा सहित अनेकानेक गोपियों को सम्मोहित किए अपने पीछे आने को विवश कर रहे होते हैं। बंदिश की ठुमरी के गायन के दौरान भी कुछ ऐसी ही दृश्यावली के समकक्ष भावचित्र, राग-रागिनियों के रंग से आकार लेते हैं। बंदिश की ठुमरी नैन बान तान तान तकि तकि मारे ए री नटवर छैला को गाते समय बंद आंखों से देखता हूं कि मेरे पूज्य अपनी लीला से गोपियों में प्रेम की पराकाष्ठा उत्पन्न कर रहे हैं। वहीं अगले पल धनाक्षरी ठुमरी सांसरो लंगरवा मोरि गगरिया गिराई गाते समय नटवर नागर के नटखट नागर स्वरूप के दर्शन होने लगते हैं। अगले क्रम में बोलबांट की ठुमरी गाता हूं। ठुमरियों का यह सातवां प्रकार है। इसके अंतर्गत मेरी प्रिय रचना हटो जाओ रे न बोलो कान्हा अधर पर आते ही श्रीराधाजी के प्रभु श्रीकृष्ण से रूठने और प्रभु द्वारा उन्हें मनाने के चित्र दृश्यमान होने लगते हैं। हल्लीसक ठुमरी कागा रे जा रे जा रे पिया से सनेसा मोरा कहियो जाय के गायन में श्रीकृष्ण की मथुरा से वापसी की प्रतीक्षा करते हुए विरह की अग्नि में तप रही गोपियों के दर्शन कर लेता हूं। आसारित ठुमरी रोको न डगर मोरे श्याम, मैं तो जात अपने धाम श्रीराधा-कृष्ण की प्रेमपूर्ण युगल छवि का आभास कराती है। दसवें क्रम में संस्कृत की ठुमरी केसी मथन मुदारम् सखि रे का गायन करते हुए मैं प्रभु के विश्व स्वरूप का ध्यान करते हुए अपनी ठुमरी अर्चना को विराम देता हूं। ठुमरी अर्चना पूर्ण होते-होते मोहरात्रि की वह बेला आ जाती है, जब लोकाचार का निर्वाह करते हुए मेरे घर में भी भगवान के जन्म का विधान होता है और तब मैं तीन सोहर गाता हूं। शुरुआत मोरे पिछवरवा चंदन गाछ अवरो से चंदन हो से करता हूं। मध्य में कृष्ण जनम जब भयो, बधावा ले चली गावत मंगलाचार, ऊहां हमहूं चलीं... गाने के बाद तीसरा सोहर मोरे ललना धरन कन्हैया शिशु रूप, अनूप छवि छाये हो... प्रभु को सुनाता हूं। इसके बाद अंत में झूम कर बधइया गाता हूं आज श्याम मोह लियो बांसुरी बजाय के, बांसुरी बजाय कान्हा मुरली सुनाय के, आज श्याम मोह लियो...। इस साल कोरोना ने मुझसे मेरी पत्नी और बेटी को छीन लिया। मैं मर्माहत हूं, फिर भी श्याम की ठुमरी अर्चना जरूर करूंगा।

संपादकीय

अमृत महोत्सव - इतिहास में जगह बनाने की कोशिश

अगले साल भारत की स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव 75 वर्ष मनाने की तैयारियां केन्द्र सरकार और उसे चलाने वाली भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार से कर रही हैं, उससे साफ है कि उसका मकसद सच्ची देशभक्ति की भावना जाग्रत करना, लोगों को आजादी की भावनाओं से जोड़ना या फिर देश को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त करने वाले हमारे महान इतिहास पुरुषों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना नहीं वरन अपनी विचारधारा की लोगों में पैठ कराना, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उपजी समानता-बंधुत्व की भावना को नष्ट करना एवं असली स्वतंत्रता सेनानियों का नाम मिटाकर अपने लोगों का जोड़ना है। इस प्रक्रिया का लक्ष्य देश के असली इतिहास को विकृत और तोड़-मरोड़कर अपनी मान्यताओं एवं छद्म नायकों को स्थापित करना है जो भाजपा प्रणीत, समर्थित एवं संवर्धित विचारों से निकले हैं। एक तरह से भाजपा और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा हमारी आजादी की लड़ाई, उसकी मूल अवधारणा एवं उससे प्राप्त सकारात्मक परिणामों व उपलब्धियों को हथियाने की घृणित कोशिश है। आगामी चुनाव जीतना तो उनकी नज़रों में है ही। यह दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है कि देश की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष ऐसी पार्टी के शासनकाल में पड़ रहा है जिसका उसकी प्राप्ति के लिए हुए आंदोलन से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था। उसकी विचारधारा को उस दौरान ही आजादी की मतवाली अधिसंख्य जनता ने नकारते हुए महात्मा गांधी के बताये सत्य, अहिंसा एवं सर्वसमावेशी रास्ते पर चलकर अपने-अपने हिस्से की लड़ाई लड़ी थी। भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी न करने के प्रायश्चितस्वरूप एवं गौरवशाली विरासत में अतिक्रमण करने के उद्देश्य से ही भाजपा-संघ एवं उसकी सरकार यह हास्यास्पद कोशिश कर रही है। यह सर्वज्ञात है कि जब पूरा देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत था, तब संघ हिंदू-मुस्लिमों के बीच विभेद को लगातार बढ़ाते हुए ब्रिटिश उपनिवेशी साम्राज्य को अपनी सत्ता बनाये रखने में मदद दे रहा था। स्वतंत्रता तो मिली पर विभाजन की राह पर चलते हुए, जिसका दुख आज भी देशवासियों को सालता है और उसकी कीमत बापू को जान देकर चुकानी पड़ी थी। परतंत्र भारत में हिंदू-मुस्लिम आधारित द्विराष्ट्र सिद्धांत को मान्यता देने वाली इसी विचारधारा ने देश के दो टुकड़े किये पर विडंबना और कुटिलता यह है कि इसका दोष उन लोगों एवं संगठनों पर मढ़ा गया जिन्होंने इस आंदोलन में सर्वस्व न्यौछावर किया और अनंत कुर्बानियां दीं। गांधी के फार्मूले पर चलकर देश को मिली आजादी के बाद भी संघ और कालांतर में विकसित हुई उसकी राजनैतिक शाखा यानी जनसंघ एवं बाद की भाजपा ने धर्म आधारित राजनीति के एजेंडे को सतत आगे बढ़ाया। इसके लिए अनेकानेक तरह के संगठन बनाये एवं संस्थाएं खोलीं। इनके जरिये देश को गुमराह करते हुए असत्य इतिहास रचा गया और उसके बल पर अंतत- इस विचारधारा की प्रतिनिधि राजनैतिक पार्टी भाजपा ने 2014 में केन्द्रीय सत्ता बहुमत से और बाद में 2019 में बढ़े हुए जनमत से हासिल की। हालांकि 1999-2004 में भी भाजपा की सरकार थी लेकिन तब कई दलों की मिश्रित सरकार होने के कारण हिन्दुत्व न्यूनतम साझा कार्यक्रम के बाहर का विषय था। अब अपने छूटे हुए एजेंडे को पूरा करने में यह सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगी हुई है। स्वतंत्रता के आंदोलनकारियों की फेहरिस्त में अपने नाम जोड़ने और वास्तविक हकदारों के नाम काटने की कवायद के रूप में मोदी सरकार की वर्तमान गतिविधियों को देखा जाना चाहिये, जिसका छिपा एजेंडा सत्ता को बनाये रखना है। इस साल के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर %देश विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस% मनाये जाने का ऐलान, जलियांवाला बाग स्मारक को राष्ट्र के नाम पर समर्पित करना आदि इसी के प्रयास हैं। आजादी के आंदोलन का जिस तरीके से स्मरण किया गया है, वह अपने आप में सरकार, भाजपा एवं संघ की विकृत व विभाजनकारी मानसिकता को दर्शाता है। इसके अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानियों के बने पोस्टर से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर नहीं डाली गई है। कौन नहीं जानता कि नेहरू न केवल गांधी के राजनैतिक व वैचारिक वंशज थे, बल्कि उन्होंने नौ साल से अधिक का समय अंग्रेजों की जेलों में काटा था।

सरकारी कर्मियों की संख्या बढ़ाइए, वेतन घटाइए

चीन में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 110 रुपये बैठता है। लेकिन भारत में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 700 रूपये है। यह बात विश्व बैंक की रपट बताती है। इतना सही है कि वियतनाम और चीन के नागरिक का औसत वेतन आज भारत की तुलना में अधिक है। लेकिन जब इन देशों के नागरिक का औसत वेतन भारत के समतुल्य था तब भी सरकारी कर्मियों का वेतन इसी अनुपात में था। गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं।

- भरत झुनझुनवाला

गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत की आर्थिक विकास के दर के न्यून होने के पीछे एक कारण यह हो सकता है कि भारत की %राष्ट्रीय आय% का उपयोग सरकारी कर्मियों की %खपत% को पोषित करने में खप जा रहा है फलस्वरूप जन कल्याण और आर्थिक विकास दोनों पीछे होते जा रहे हैं। संविधान के निर्माताओं ने कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी। यह कहने की जरूरत नहीं कि जनकल्याण हासिल करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करनी ही होगी। जैसे हाईवे बनवाने के लिए अथवा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लागू करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करना आवश्यक होता ही है। सोच है कि सरकारी कर्मी अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक सम्पादन करके देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे और जनकल्याण हासिल करेंगे। लेकिन यदि सरकारी कर्मियों को सरकार इतना अधिक वेतन देने लगे कि विकास और जन कल्याण दोनों ठप्प हो जाए तो हम संविधान की भावनाओं के विपरीत चल पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में सरकारी कर्मियों का कल्याण प्राथमिक और जनकल्याण गौण हो जाता है। विश्व बैंक ने वैश्विक परिदृश्य में सरकारी वेतन नाम से अध्ययन किया। इसके अनुसार वियतनाम में देश के नागरिक की औसत आय की तुलना में सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 प्रतिशत होता है। यदि वियतनाम के नागरिक की औसत आय 100 रुपए है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 रुपये है। चीन में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 110 रुपये बैठता है। लेकिन भारत में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 700 रूपये है। यह बात विश्व बैंक की रपट बताती है। इतना सही है कि वियतनाम और चीन के नागरिक का औसत वेतन आज भारत की तुलना में अधिक है। लेकिन जब इन देशों के नागरिक का औसत वेतन भारत के समतुल्य था तब भी सरकारी कर्मियों का वेतन इसी अनुपात में था। गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत की आर्थिक विकास के दर के न्यून होने के पीछे एक कारण यह हो सकता है कि भारत की ष्ट्रीय आय का उपयोग सरकारी कर्मियों की खपत को पोषित करने में खप जा रहा है फलस्वरूप जन कल्याण और आर्थिक विकास दोनों पीछे होते जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्व बैंक ने बताया है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट हो रही है। वैश्विक स्तर पर 2009 में सरकारी खपत देश की कुल आय का 18.0 प्रतिशत थी जो कि 2014 में घटकर 17.2 प्रतिशत हो गई और 2019 में घटकर 17.1 प्रतिशत रह गई। तुलना में भारत में सरकारी खपत बढ़ती जा रही है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2014 में देश की आय में सरकारी खपत का हिस्सा 10.4 प्रतिशत था जो 2020 में बढ़कर 12.6 प्रतिशत हो गया है। स्पष्ट है कि जहां वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट आ रही है वहीं भारत में सरकारी खपत में तीव्र वृद्धि हो रही है। यहां यह स्पष्ट करना होगा कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में भारत में 12 प्रतिशत है। कारण यह है कि तमाम देशों में सरकारी कर्मियों की नियुक्ति अधिक संख्या में की गई है। जैसे भारत में एक लाख नागरिकों के पीछे 139 सरकारी कर्मी हैं जबकि अमेरिका में एक लाख नागरिकों के पीछे 668 सरकारी कर्मी हैं। अमेरिका में भारत की तुलना में सरकारी कर्मियों की संख्या लगभग पांच गुना है। यानि भारत में 12.6 प्रतिशत सरकारी खपत में 139 कर्मी नियुक्त हैं तो अमेरिका में 17.1 प्रतिशत सरकारी खपत में 668 कर्मी नियुक्त हैं। अतः हमें इस बात से विचलित नहीं होना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत जादा है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि भारत में कम संख्या में कर्मियों द्वारा अधिक खपत क्यों की जा रही है। समस्या यह है कि अपने देश में सरकारी खपत में वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आ रही है। और भी चिंताजनक है कि विश्व श्रम संगठन के अनुसार कोविड संकट के दौरान भारत में सभी कर्मियों के वेतन में 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई है जबकि असंगठित श्रमिकों के वेतन में 22.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गम्भीर है क्योंकि एक तरफ सरकार की खपत में वृद्धि हो रही है और दूसरी तरफ नागरिक की आय में गिरावट आ रही है। स्पष्ट है कि भारत में सरकारी कर्मी जनता का कल्याण अथवा विकास में सहयोग देने के स्थान पर जनता शोषण करने और विकास में गिरावट लाने की भूमिका अदा कर रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी कर्मी अपना कार्य नहीं करते हैं। वे कार्य करते हैं। उनमे से कई इमानदार भी हैं। लेकिन कार्य के लिए जिस प्रकार के वेतन उन्हें दिए जा रहे हैं उनका देश पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिख रहा है।

लेखक को चांद चाहिए, छात्र धूल फांकें

- शकील अख्तर

लेखक इनका समर्थन कर रहे हैं। विद्यार्थियों के विरुद्ध। दुनिया में कहीं विद्यार्थियों का ऐसा विरोध हुआ है? लिखना किसके लिए? अगर युवा पीढ़ी के समर्थन में ही नहीं लेखक, तो उसका लिखा किस मतलब का? और युवा भी कौन? गांव, कस्बे, छोटे शहरों का हिन्दी पढ़ने वाला। अरे चालाक युवा देखे हैं तुमने। स्मार्ट यूथ। सबके घरों में हैं। क्या कान्फिडेंस से बात करते हैं यहां से विदेशी विश्वविद्यालयों में। यहां बेचारा छात्र अटक-अटक कर बोल रहा है। और उसे चालाक बताया जा रहा है।

हमारा लेखक मूर्ख, पाखंडी, अपने ही हिन्दी जगत से कटा हुआ! माफ करना हरिशंकर परसाई, राजेन्द्र यादव, प्रेमचंद। आप होते तो आप भी यही लिखते1 ये जो जस्टिस काटजू ने कहा था 98 प्रतिशत। उसे लेखकों के लिए 99 प्रतिशत करने की जरूरत है। तुम्हारे हिन्दी विभाग खाली पड़े हुए हैं। हिन्दी बीए, एमए में एडमिशन नहीं हो रहे। जो बच्चे आ रहे हैं वे मजबूरी में। हिन्दी माध्यम के पढ़े हुए। किसी और कोर्स में एडमिशन न मिल पाने वाले। गांव के, गरीब के, कम पढ़े-लिखे परिवारों के। जिनकी पहली या दूसरी पीढ़ी ही शिक्षित हो रही है। बड़े घरों के, पैसे वालों के, मध्यम वर्ग के सब बच्चे अंग्रेजी मीडियम में पढ़े हैं। वे सब डाक्टर, इंजीनियर, एमबीए और दूसरे पैसा कमाने वाले कोर्सों में चले गए हैं। हिन्दी में प्रतिभा नहीं आ रही है। और लेखक जी तुम उनसे पैसे मांग रहे हो। और थोड़े बहुत नहीं। एक इंटरव्यू के 25 हजार। वह भी एडवांस में। ठीक है वे मांगते रहते। कोई बात नहीं। मगर जिस तरह हिन्दी के लेखकों ने सुरेन्द्र वर्मा का समर्थन किया है वह आश्चर्यजनक और बहुत दुखद है। कभी-कभी एक उपन्यास लेखक को बहुत लोकप्रिय बना देता है। सुरेन्द्र वर्मा भी उन्हीं में से हैं। उनका, %मुझे चांद चाहिए% बहुत चर्चित हो गया। वे खुद पर शोध कर रहे एक छात्र से 25 हजार रुपए अपना इंटरव्यू देने का मांगते हैं। उनके इसी कृत्य से हिन्दी लेखक बाग-बाग हो गया।

यथास्थितिवादियों से लेकर, प्रतिगामी, प्रगतिशील, दलित, सब तरह के लेखक एक स्वर में पैसा मिलना चाहिए, मिलना चाहिए चिल्लाने लगे। मगर किस से मिलना चाहिए? एक शोध छात्र से! पैसा प्रकाशक से मांगो, पत्रिकाओं से मांगों, विश्वविद्यालयों से मांगो, साहित्य अकादमी से मांगो, इसी के लिए नेहरू ने बनाया था, नेशनल बुक ट्रस्ट से मांगो, यह भी नेहरू ने लेखकों को निजी प्रकाशकों के शोषण से बचाने के लिए बनाया था, दूसरी तमाम संस्थाओं से मांगो मगर विद्यार्थी से? यह कैसे जायज है? लेकिन हमारे हिन्दी वाले मित्रों के तर्क, आरोप देखिए। एक, वे फेलोशिप के पैसे से मकान बनवा लेते हैं। दूसरे गाड़ी खरीदकर टैक्सी में चलाते हैं। तीसरे, धूमधाम से शादी कर लेते हैं। चौथे, नौकरी के लिए करोड़ों रिश्वत में देंगे मगर लेखक को 25 हजार नहीं दे सकते। पांचवे किताबों, स्टेशनरी के झूठे बिल देते हैं। और कितने बताएं? इन सब आरोपों का आधार क्या है? धारणाओं में जीने वाला हमारा लेखक समाज। जिसकी मिथ्या धारणा यह है कि शोधार्थी को बहुत पैसा मिलता है। या उसे बड़ी नौकरी मिल जाएगी। पहले पैसे की बात। कितना पैसा मिलता है शोधार्थियों को? पता नहीं सुरेन्द्र वर्मा जो कह रहे हैं कि मेरे लिए पैसा ही सब कुछ है, को मालूम है कि नहीं कि कुछ विश्वविद्यालय कुछ भी नहीं देते हैं। बाकी में से ज्यादातर को नान नेट फेलोशिप मिलती है। जो सिर्फ 8 हजार रुपए महीना होती है। उसी में रहना, खाना सब। पता नहीं मालूम है कि नहीं कि विश्वविद्यालय के पास के इलाके में कमरे बहुत महंगे होते हैं। बाकी इलाकों से दोगुना किराया। बाकी बहुत कम बच्चों को जेआरएफ मिलता है। मगर आज की महंगाई में घर से बाहर रहकर पढ़ रहे बच्चों के लिए वह भी कोई ऐसी रकम नहीं है कि उस पर दूसरों की नजर लगे। और एक जरूरी बात। वह यह कि यूजीसी लेखक के इंटरव्यू के लिए कोई पैसा नहीं देता है। अगर शोधार्थी को मिले और वह आगे न दे तब तो उस पर आरोप लगाओ कि वह यह करता है, वह करता है। लेकिन जब उसे मिलता ही नहीं है तो फिर शोधार्थी से नहीं विश्वविद्यलय से मांगो। विद्यार्थी अपने मां-बाप से नहीं मांग सकता कि बापू 25 हजार दो। एक लेखक को देना है। बाप वापस घर बुला लेगा कि ससुर क्या नया बहाना बनाया है! अब ये तो नहीं लिख रहे कि लट्ठ लेकर लेखक के घर पहुंच जाएगा कि भाई, कोई कर्जा दिया था क्या? इस विवाद के बाद हमें एक और आशंका है कि अब विश्वविद्यालय जीवित लेखकों पर पीएचडी करवाएंगे ही नहीं। अभी भी कुछ हिन्दी विभाग नहीं करवाते हैं। अब दूसरी बात नौकरी की। तो ऐसी मुश्किल हिन्दी पीएचडी के बाद सिवाय कॉलेज, विश्वविद्यालय के और कहां नौकरी मिलती है? कहीं नहीं। सब जगह लिखा होता है कि पीएचडी वाले एप्लाई नहीं करें। और हमारे विश्वविद्यालयों के हिन्दी विभागों के क्या हाल हैं। ये किसी से छिपा नहीं। भारी जातिवाद, भाई भतीजावाद, क्षेत्रवाद सब है। ऊपर जो नाम लिखे थे राजेन्द्र यादव और हरिशंकर परसाई के तो उन्होंने हिन्दी विभागों और वहां के आचार्यों की बखिया उधेड़ दी थी। बहुत कड़ा लिखा। अभी दो साल पहले दिल्ली में एडहाक विश्वविद्यालय टीचरों का एक बड़ा सम्मेलन हुआ था। राहुल गांधी भी थे उसमें। विश्वविद्यालयों में हजारों पोस्टें खाली पड़ी हैं। मगर उन्हें भरा नहीं जा रहा। ऐसे ही राज्य सरकारों के कालेजों में। एडहाक टीचरों से काम चलाया जा रहा है। भारी शोषण है, खासतौर पर लड़कियों का। एडहाक में महिला टीचर अविवाहित चाहिए। क्यों? क्योंकि शादीशुदा लड़कियां छुट्टी लेती हैं। प्रेगनेंट हो जाती हैं। इतना बुरा हाल है एडहाक टीचरों का कि सुनाते हुए लड़कियां रोने लगीं। और सुनने वाले भी अंदर तक हिल गए। और बता दें। हिन्दी पढ़ने का भी एक छोटा सा दौर रहा। हमसे पहले वाली पीढ़ी में भी नहीं, वह भी अंग्रेजी वाली थी। और हमसे बाद वाली पीढ़ी भी नहीं। एक हमारी पीढ़ी थी। जो हिन्दी से प्रेम करते हुए पढ़ती थी। उस समय सबसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी हिन्दी में एमए करने को आते थे। पीएचडी करते थे।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

कौन सी नदी बदलती रहती है अपना रंग ?

किसी भी लेवल की कॉम्पिटिटिव एग्जाम में जनरल नॉलेज के प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं. विगत कुछ सालों के इंटरव्यू और लिखित परीक्षा पर दृष्टि डालें तो अधिकतर प्रश्न सामाजिक विज्ञान, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेलकूद, देश विदेश की बड़ी घटनाओं तथा हमारे आसपास की चीजों से जुड़े होते हैं. इंटरव्यू राउंड में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से इंटरव्यू लेने वाले अफसर अक्सर प्रश्नों को ऐसे घुमा कर पूछते हैं कि उत्तर देने में वक़्त लगता है या जल्दबाजी के चक्क र में गलत जवाब दे दिया जाता है. जनरल नॉलेज विषय को लेकर युवाओं में अक्सर डर की स्थिति देखी जाती है. इस विषय में कब कहां से प्रश्न पूछ लिया जाए यह तय नहीं होता. यही कारण है कि इंटरव्यू राउंड में इससे अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं. यहां ऐसे ही कुछ ट्रिकी प्रश्नों के बारे में बताएंगे जो अक्सर परीक्षाओं में पूछे जाते हैं।

सवाल- कौन सी नदी अपना रंग बदलती रहती है?

जवाब- इस नदी का नाम है कैनो क्रिस्टल्स, जो कोलंबिया में बहती है. इस नदी की खासियत ऐसी है कि यह हर मौसम के साथ अपना रंग बदलती हैं।

सवाल- टीपू सुल्तान किस युद्ध में शहीद हुए थे?

जवाब- यह एक ट्रिकी सवाल है इसका जवाब है- टीपू सुलतान अपने आखिरी युद्ध में शहीद हुए थे.

सवाल- भारत का राष्ट्रीय पेय क्या है?

जवाब- 17 अप्रैल 2013 को चाय भारत का राष्ट्रीय पेय घोषित किया गया.

सवाल- पकौड़ों को इंग्लिश में क्या कहते हैं?

जवाब- पकौड़े को इंग्लिश में Fritters कहते हैं. हालांकि ये वर्ड सभी प्रकार के पकौड़ों के लिए प्रयोग होता है बस इसके आगे आपको आलू या प्याज का इंग्लिश नेम लिखना होता है जैसे - Potato Fritters Or Onion Fritters।

सवाल-चांद पर खेला जाने वाला प्रथम खेल कौन सा था?

जवाब- 1971 में 6 फरवरी को अपोलो-14 ने चांद की सतह को छुआ था। इस मिशन पर गए अंतरिक्षयात्री एलेन शेफर्ड गोल्फर थे और वो इस मिशन पर अपने साथ गोल्फ स्टिक और गोल्फ की गेंदें भी लेकर गए थे.

सवाल- सौरमण्डल का जन्मदाता किसे कहा जाता है?

जवाब- सूर्य को।

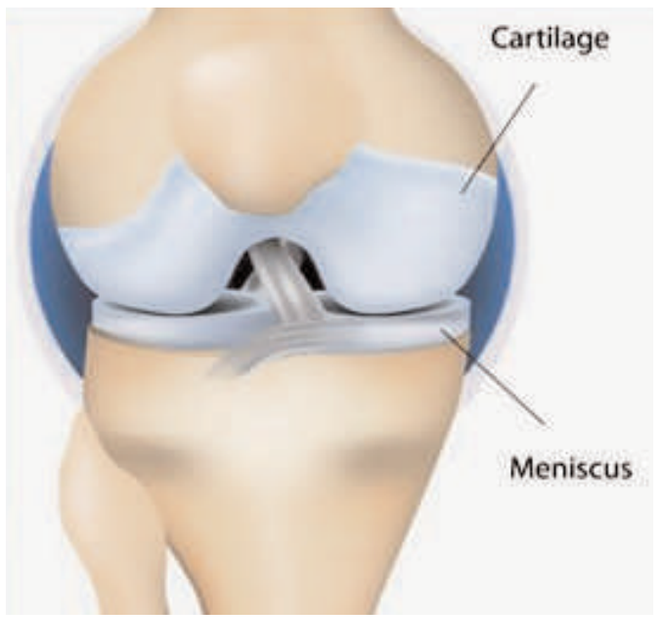

सवाल- घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम क्या है?

जवाब- घुटने की कटोरी का साइंटिफिक नाम पटेला है।

सवाल 3- ऐसा कौन सा फूल है जिसका वजन 10 किलो तक होता है?

जवाब- रेफ्लेसिया. (रेफ्लेशिया फूल मुख्य रूप से मलेशिया और इंडोनेशिया में पाया जाता है)

सवाल- सोते ही समय क्यों आते हैं सपने?

जवाब- वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, सोते समय में हर व्यक्ति दो-तीन बार सपने देखता है. कुछ उसे याद रहती हैं तो कुछ भूल जाते हैं. सोते समय व्यक्ति की जो मानसिक स्थिति होती हैं, उसी से जुड़े सपने दिखाई देते हैं.

इस तरह की बीमारियों में बेहद ही फायदेमंद होता है आंवले का सेवन

विटामिन-सी से भरपूर आंवला किसी चमत्कारी बूटी से कम नहीं। आंवला 100 रोगों की एक दवा हैं, इसमे पोटासियम ,कार्बोहायड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन्स ,विटामिन्स 'ए','बी काम्प्लेक्स ,मैग्नीशियम ,विटामिन 'सी' ,आयरन,विटामिन 'सी' भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं। आंवला में भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट पाया जाता हैं सदियों पहले चरक ऋषि ने इसकी महत्ता बताई थी, आंवले के उपयोग से हम हमेशा जवान और सुंदर व स्वस्थ शरीर वाले होते हैं।आंवला सभी रोगों का अचूक औषधि हैं।

1 रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।

2 आंवला के सेवन से पुरुषो में शुक्राणु की क्रियाशीलता और मात्रा बढती हैं और महिलाओं में अंडाणु अच्छे और स्वस्थ बनते हैं, माहवारी नियमित हो जाती हैं।

3 पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में दिनों में पथरी गल जाएगी।

4 आंवला आँखों की दृष्टी को या ज्योति को बढाता हैं. मोतियाबिंद में, कलर ब्लाइंडनेस, रतोंधी या कम दिखाई पड़ता हो तो भी आंवला का जूस फायदेमंद हैं. आखों के दर्द में भी काफी फायदा होता हैं।

5 आंवला सेवन से तनाव में आराम मिलता हैं, अच्छी नींद आती हैं,आवला के तेल को बालों के जड़ों में लगाया जाये तो कलर ब्लाइंडनेस से छुटकारा मिलता हैं, बाल काले और मज़बूत होते है। नियामित आवंला के प्रयोग से गंजे सर में भी नए बाल उगने लगते है।

क्या आपके शरीर में भी है खून की कमी, तो इस चीज का करें सेवन

नाशपाती एक बहुत ही स्वादिष्ट फल होती है। यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में खनिज पोटेशियम, विटामिन सी, विटामिन के, फिनालिक कंपाउंड, फोलेट, फाइबर, कॉपर, मैगनीज, मैग्नीशियम के साथ-साथ बी कांपलेक्स भी मौजूद होते हैं। जो स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। आज हम आपको नाशपाती के कुछ फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

1- अगर आपके शरीर में खून की कमी है तो रोजाना नाशपाती का सेवन करें। नाशपाती में भरपूर मात्रा में आयरन मौजूद होता है जो खून की कमी को दूर करने में मदद करता है।

2- नाशपाती शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। इसमें फाइबर और पेक्टिन जैसे तत्वों की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो इम्युनिटी पावर को मजबूत बनाने का काम करते हैं। रोजाना नाशपाती का सेवन करने से कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है।

3- नाशपाती में बोरान नाम का रासायनिक तत्व मौजूद होता है जो शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने का काम करता है। रोजाना नाशपाती का सेवन करने से हड्डियां मजबूत हो जाती हैं।

38 वर्षीय चिम्पैंजी से रोज़ मिलने जाती थी महिला, बोली- 'हम एक-दूसरे से प्यार करते हैं'

बेल्जियम में एक महिला को एक चिड़ियाघर में एक चिम्पैंजी को देखने जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दरअसल, 'श्रश प्रशासन को संदेह है कि इन दोनों का अफेयर था। उक्त महिला ने खुद चिम्पैंजी के साथ अफेयर होने की बात स्वीकारी है। एडी टिमरमैन्स नामक महिला अक्सर, बेल्जियम के ऐंटवर्प चिड़ियाघर में जाया करती थी। महिला चिड़ियाघर में एक 38 वर्षीय चिम्पैंजी से मिलती थीं। वो पिछले 4 साल से निरंतर चिम्पैंजी से मिल रही हैं। महिला ने बताया था कि उनके और चिम्पैंजी के बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया है और वो दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं।'श्रश के अधिकारियों का कहना है की चिटा नाम के चिम्पैजी से अब उस महिला को मिलने नहीं दिया जाएगा। साथ ही चिम्पैंजी को दूसरे चिम्पैंजियों से अलग रखा गया है।'श्रश प्रशासन के फैसले का विरोध करते हुए महिला ने कहा कि वो उस जानवर से प्यार करती हैं और चिम्पैंजी भी उनसे प्यार करता है। महिला ने कहा कि उनके बीच कुछ और नहीं है, ऐसे में ये चीज उनसे क्यों छीनी जा रही है? महिला ने कहा कि मान लीजिए हम दोनों का अफेयर भी है, तो क्या हुआ? उन्होंने कहा कि जब बाकी के लोगों को कॉन्टैक्ट बनाने की अनुमति मिल सकती है, तो उन्हें क्यों नहीं? वहीं, 'श्रश के अधिकारियों का कहना है कि पशु के हित में उन्होंने ये कदम उठाया है। एक अधिकारी ने बताया कि मनुष्य के साथ अधिक नजदीकी बढ़ाने वाले पशु को, उसके साथी पशु नज़रअंदाज़ करने लगते हैं, इसीलिए हम चाहते हैं कि चिम्पैंजी, एक चिम्पैंजी ही बना रहे।'श्रश में पर्यटक दिन के समय ही आते हैं, बाकी के 15 घंटे उसे अपने साथी जानवरों के साथ ही बिताना है। यह चिम्पैंजी अकेला बैठा रहता था। अधिकारियों ने कहा कि लोगों से जानवरों की नजदीकी से वो खुश हैं, मगर यहाँ पशु हित पहले आता है।

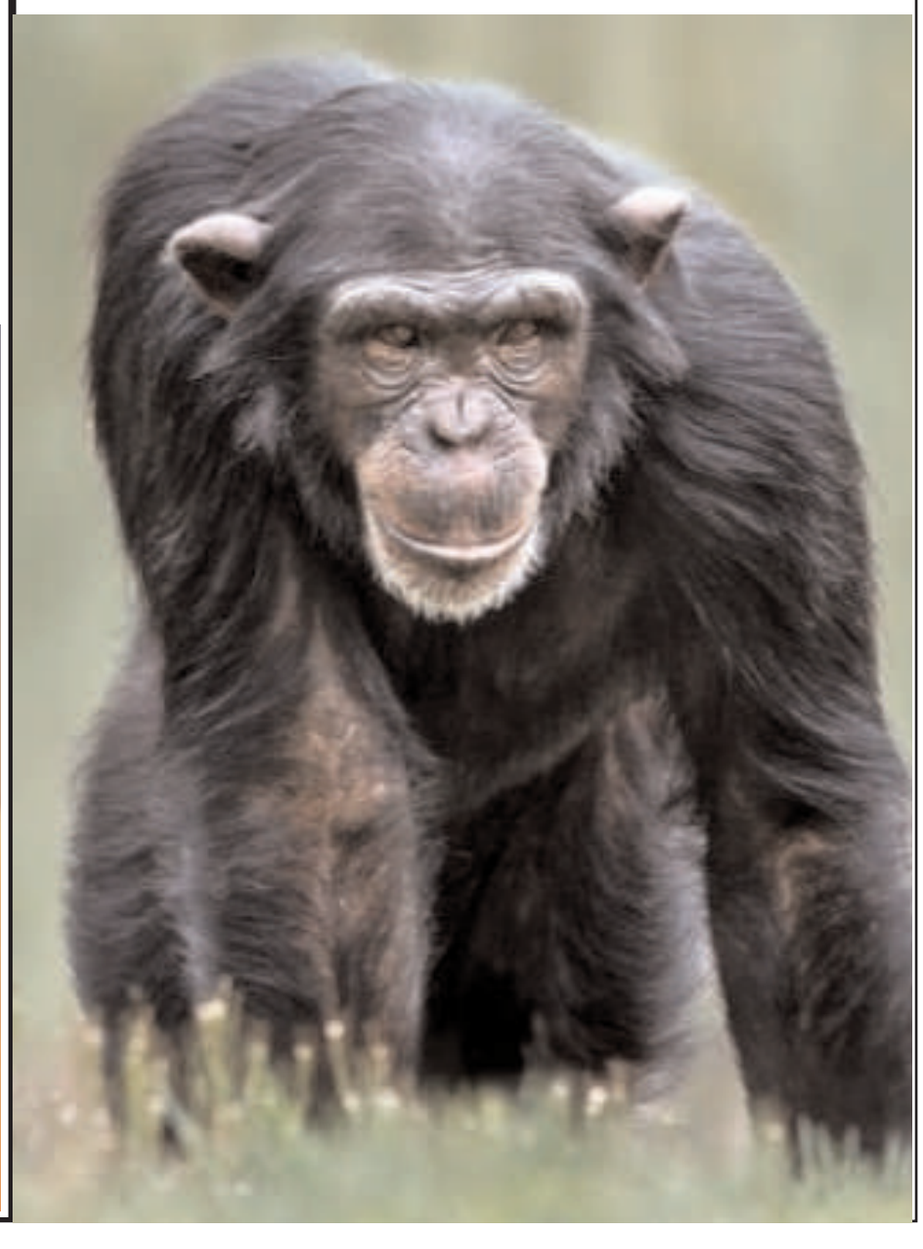

आतंकियों ने कार की डिक्की से दागे 6 रॉकेट, 5 एयरपोर्ट को टारगेट कर छोड़े गए

इसे US डिफेंस सिस्टम ने नाकाम किया, छठा एक इमारत से टकराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी से ठीक एक दिन पहले काबुल एयरपोर्ट पर 5 रॉकेट दागे गए। हालांकि, अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने इन्हें नष्ट कर दिया। माना जा रहा है कि यह आतंकी संगठन ड्डस्ड्डस्-च की तरफ से अमेरिका को जवाब था, जिसने बीते तीन दिनों में इस संगठन पर 2 हमले किए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है कि यह रॉकेट किसने लॉन्च किए।

कार की डिक्की में फिट किए गए थे 6 रॉकेट लॉन्चर

टोलो न्यूज के मुताबिक, काबुल के खैर खाना इलाके से सोमवार सुबह एक कार से 6 रॉकेट दागे थे। इसमें से पांच काबुल एयरपोर्ट की ओर छोड़े गए थे, जिसे अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छठा रॉकेट एक रिहायशी इमारत से टकरा गया। हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हमले के वक्त एयरपोर्ट पर 45 हजार लोग मौजूद थे

अमेरिकी सेना के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिकी सैनिकों और काबुल एयरपोर्ट पर मौजूद करीब 45 हजार लोगों की भीड़ को टारगेट कर ये रॉकेट हमले किए गए थे। अगर यह निष्क्रिय नहीं किया जाता तो बड़ी तादाद में लोगों की जान जा सकती थी।

26 अगस्त को फिदायीन हमले में 170 लोग मारे गए

इससे पहले गुरुवार को काबुल एयरपोर्ट पर खुरासान प्रांत के इस्लामिक स्टेट (ड्डस्ड्डस्-च) आतंकी संगठन ने फिदायीन हमला किया था। इसमें 13 अमेरिकी सैनिक समेत 170 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद अमेरिका ने शुक्रवार को नंगरहार में ड्डस्ड्डस्-च के ठिकानों पर हमला किया और रविवार को काबुल में संगठन के आत्मघाती हमलावरों को निशाना बनाया।

व्हाइट हाउस ने की हमले की पुष्टि

काबुल एयरपोर्ट की तरफ सोमवार सुबह दागे गए 5 रॉकेट को अमेरिकी डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया। इस हमले की पुष्टि व्हाइट हाउस ने कर दी है। प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने कहा कि नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सलीवन और चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को इस हमले की सूचना दी है। राष्ट्रपति को यह भी बताया गया है कि काबुल एयरपोर्ट पर चल रहे अभियान को जारी रखा जाएगा। राष्ट्रपति ने भी अपने आदेश को दोहराया है कि ग्राउंड पर मौजूद अमेरिकी सेना की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए जो भी कार्रवाई जरूरी हो वह की जाए।

एयरपोर्ट पर सुबह दागे गए थे 5 रॉकेट

अफगानी सरकार में काम करने वाले पूर्व सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि इन रॉकेट्स को उत्तरी काबुल से एक गाड़ी से दागा गया था। वहीं, एयरपोर्ट के मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आवाजें स्थानीय नागरिकों ने सुनीं। लोगों के मुताबिक, मिसाइल से बम के टुकड़े भी गिरे। इससे समझा जा सकता है कि कम से कम एक रॉकेट को तो नष्ट कर दिया गया है। हामिद करजई इंटरनेशनल एयरपोर्ट जहां स्थित है वहां से उत्तर में बनी इमारतों के ऊपर धुआं उठता देखा जा सकता है। सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, पर इनकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

रविवार को अमेरिका ने किया था काबुल एयरपोर्ट के बाहर हमला

करीब 8 बजे खबर आई थी कि काबुल के ऊपर से रॉकेट्स उड़ने की आवाजें सुनी गई हैं। तब इनके टारगेट की जानकारी नहीं थी। रविवार को भी काबुल एयरपोर्ट के पास अमेरिका ने रविवार शाम एयरस्ट्राइक की। इसमें 6 बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका ने बयान जारी कर बताया कि ISIS-K का एक सुसाइड बॉम्बर काबुल एयरपोर्ट पर हमला करने वाला था। इससे पहले ड्रोन की मदद से एयरस्ट्राइक कर कार को उड़ा दिया गया। तालिबान ने भी बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि आत्मघाती हमलावर गाड़ी में नहीं था।

भारत के साथ व्यापारिक और राजनीतिक संबंध रखना चाहता है तालिबान

तालिबान ने कहा है कि वह भारत के साथ अफगानिस्तान के व्यापारिक और राजनीतिक संबंध जारी रखना चाहता है। तालिबान के बड़े नेता शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनेकजई ने कहा कि भारत इस क्षेत्र का अहम देश है। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ व्यापार, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को बहुत अहमियत देते हैं। पश्तो भाषा में जारी किए गए एक वीडियो में वे कहते देख रहे हैं कि काबुल में सरकार बनाने को लेकर कई समूहों और राजनीतिक दलों के साथ चर्चा जारी है। हम ऐसी सरकार बनाना चाहते हैं जिसमें सब तरह के लोगों की हिस्सेदारी हो।

तालिबान ने लगाए अमेरिका पर आरोप

अमेरिका ने इससे पहले शुक्रवार को भी अफगानिस्तान के नंगरहार में हमला किया था। अमेरिका ने कहा कि ये हमले काबुल एयरपोर्ट पर ब्लास्ट करने वाले ISIS-K के ठिकानों पर किए गए। हालांकि तालिबान की राय इसे लेकर अलग है। तालिबान के राजनीतिक दफ्तर के सदस्य अब्दुल्लाह वसीक ने कहा कि अमेरिका अफगानिस्तान में ड्डस्ड्डस् की मौजूदगी को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है। वसीक ने यह भी कहा कि अमेरिका को अफगानिस्तान में हमले करने का कोई अधिकार नहीं है। यह दोहा एग्रीमेंट का उल्लंघन है। तालिबान और अमेरिका ने अफगानिस्तान में शांति बनाए रखने के लिए 29 फरवरी 2020 को दोहा एग्रीमेंट साइन किया गया था। अमेरिका की तरफ से शुक्रवार को किए गए हमले के बाद वसीक ने यह स्टेटमेंट दिया है। उन्होंने कहा कि, दुनिया ने ड्डस्ड्डस् को अहम बना दिया है, यह अफगानिस्तान में टिकेगा नहीं।

नॉर्थ कोरिया का न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर शुरू: प्लूटोनियम की रीप्रोसेसिंग करा रहा किम जोंग उन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज प्योंगयाग

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। परमाणु हथियार रखने वाला नॉर्थ कोरिया अपने रिएक्टर में प्लूटोनियम की रीप्रोसेसिंग कर रहा है। परमाणु हथियार बनाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र (ह्न) की परमाणु एजेंसी ने नॉर्थ कोरिया के इस कदम पर चिंता जताई है। प्लूटोनियम की रीप्रोसेसिंग नॉर्थ कोरिया के योंगब्योन प्लांट में की जा रही है। यहां कोरिया का सबसे बड़ा 5 मेगावॉट का परमाणु रिएक्टर है। यह रिएक्टर दिसंबर 2018 से बंद पड़ा था।

बेनतीजा रही थी ट्रंप और किम की बातचीत

अमेरिका और नॉर्थ कोरिया में परमाणु समझौते पर अब तक कोई सहमति नहीं बन सकी है। परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन और तब के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई थी। किम ने डोनाल्ड ट्रंप से योंगब्योन के परमाणु प्रोजेक्ट को खत्म करने को वादा किया था, लेकिन उन्होंने दूसरे प्रोजेक्ट पर कोई बात नहीं की थी। ट्रंप ने उनकी इस पेशकश को नकार कर दिया था।

नॉर्थ कोरिया पर कई बार लगे इंटरनेशनल प्रतिबंध

किम जोंग उन के नेतृत्व में नॉर्थ कोरिया का परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम तेजी से बढ़ा है। इसकी वजह से इस देश पर कई बार इंटनेशनल प्रतिबंध लग चुके हैं। ह्न की इंटरनेशनल परमाणु एनर्जी एजेंसी ने कहा है कि जुलाई की शुरुआत से ही नॉर्थ कोरिया से संकेत मिलने शुरू हो गए थे। वहां से बड़ी मात्रा में ठंडे पानी को डिस्चार्ज किया जा रहा था। इसका मतलब साफ था कि रिएक्टर ने काम करना शुरू कर दिया है।

IAEA की टीम को 2019 में देश से निकाला

दुनियाभर के परमाणु स्टेशन को मॉनिटर करने वाली इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी (ड्ढश्र) को नॉर्थ कोरिया ने 2019 में देश से निकाल दिया था। तब से लेकर अब तक एजेंसी बाहरी सोर्स से इन ठिकानों को मॉनिटर करती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नॉर्थ कोरिया का परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए तुरंत बातचीत शुरू की जानी चाहिए।

जयपुर में टोक्यो पैरालिंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया की रजत पदक जीत का जश्न मनाते परिवार के सदस्य।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान में अब सिर्फ 300 अमेरिकी नागरिक बाकी: अमेरिका

वॉशिंगटन । अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के लिए सिर्फ दो दिन बाकी हैं। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन ने ऐलान किया है कि अफगानिस्तान में अब सिर्फ 300 अमेरिकी रेस्क्यू किए जाने के लिए बाकी हैं। इन्हें सुरक्षित अमेरिका लाया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सलीवन ने कहा है कि तालिबान 31 अगस्त के बाद भी लोगों को अफगानिस्तान छोड़कर जाने देगा। उन्होंने कहा कि तालिबान ने हमें इस बात का वादा किया है और हम इस स्थिति में हैं कि तालिबान को उन वादों को पूरा करना पड़ेगा।

अफगानिस्तान में आतंक को कुचल सकता है अमेरिका: सलीवन ने कहा कि अमेरिका में इतनी क्षमता है कि कि वह बिना अफगानिस्तान में मिलिट्री तैनात किए, वहां आतंक को कुचल सके। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में इन 300 लोगों ने हमें बताया है कि ये अफगानिस्तान छोड़ना चाहते हैं। हम तेजी से काम कर रहे हैं ताकि उन्हें एयरपोर्ट तक लाया जा सके, प्लेन में बिठाया जा सके और अफगानिस्तान से बाहर निकाला जा सके।

तालिबान देगा अमेरिकियों को सुरक्षा: 31 अगस्त की डेडलाइन खत्म होने वाली है। कुछ अमेरिकियों ने फिलहाल अफगानिस्तान में रुकने का फैसला किया है। ब्लिंकन ने भरोसा दिजाया है कि इन लोगों को अफगानिस्तान में ज्यादा समय के लिए नहीं छोड़ा जाएगा। सरकार के पास इन्हें सुरक्षित लाने की व्यवस्था है। इन्हें तालिबान की तरफ से भी सुरक्षा मिलेगी। हालांकि यह भी तय हो चुका है कि सितंबर से अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में मौजूद नहीं रहेगी, लेकिन अमेरिका काबुल एयरपोर्ट पर ब्लास्ट करने वाले आतंकी समूह ISIS-K के खिलाफ स्ट्राइक

रामदेवरा के तीर्थयात्री जोधपुर में रामदेवरा मंदिर जाने से पहले रामदेव मंदिर जाते हैं।

कोरोना वैक्सीन से मौत: न्यूजीलैंड में फाइजर का टीका लगवाने के बाद महिला की गई जान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वेलिंग्टन

न्यूजीलैंड में फाइजर की वैक्सीन लगवाने के बाद एक महिला की मौत हो गई है। इस देश में कोरोना वैक्सीन से जुड़ी मौत का यह पहला मामला है। इंडिपेंडेंट वैक्सीन सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड ने कहा कि महिला की मौत शायद मायोकार्डिटिस के कारण हुई। महिला को कुछ और भी मेडिकल समस्याएं थीं। इसे भी मौत के कारणों में गिना जा रहा है। मायोकार्डिटिस के दौरान हृदय की मांसपेशियों में सूजन आ जाती है। इसके चलते ब्लड को हार्ट में पंप करने की क्षमता कम हो जाती है। लिहाजा दिल की धड़कन की लय में बदलाव हो जाता है, जिससे मरीज की मौत की आशंका बढ़ जाती है।

कंपनी ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया

हेल्थ मिनिस्ट्री की ओर से इस मामले को रेयर साइड-इफेक्ट बताया गया है और कहा गया है कि देश में वैक्सीनेशन जारी रहेगा। फाइजर वैक्सीन से जब इसको लेकर जवाब मांगा गया है तो कंपनी की तरफ से अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया। फाइजर की वैक्सीन को अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। ये वैक्सीन 12 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को भी लगाई जा रही है। अगर अमेरिका की बात करें तो यहां फिलहाल वैक्सीन लेने के बाद मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। न्यूजीलैंड में कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट की वजह से मामले बढ़ रहे हैं।

9 लोगों ने इनकम टैक्स अधिकारी बनकर ज्वेलरी शॉप पर छापा मारा; 20 लाख रु. और सोना ले गए

पुणे । शहर में अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल-26 की तर्ज पर लूट करने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा है। पुलिस ने गिरोह के 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने इनकम टैक्स का अधिकारी बन एक ज्वेलरी शॉप पर छापा मारा और 20 लाख कैश और 30 ग्राम की गोल्ड ज्वेलरी अपने साथ ले गए। हालांकि, इनके जाने के बाद दुकान के मालिक को फेक रेड की जानकारी मिली और मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा। 48 घंटे में सभी आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। घटना शहर के भारती विद्यापीठ इलाके में हुई है। पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता नंदकिशोर वर्मा सोने और चांदी के आभूषण बनाने का काम करते हैं। वे पुणे के लगभग सभी ज्वेलरी शॉप में अपने माल की सप्लाई करते हैं।

कोरोना देश में:43374 नए केस आए, 527 की मौत

100 युवाओं को वैक्सीन का कम से कम एक डोज लगाने वाला पहला राज्य बना हिमाचल

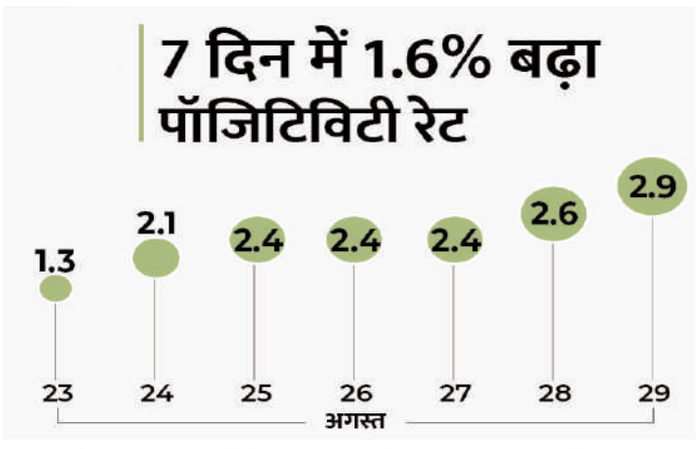

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में रविवार को 43,374 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इस दौरान 34,843 लोग ठीक हुए और 527 की संक्रमण की वजह से मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 7,993 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। केरल में हालात भयावह बने हुए हैं। यहां बीते दिन 29,836 केस आए और 75 मरीजों की मौत हुई। वहीं, हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां 18 साल से ज्यादा उम्र वाले 100त्न लोगों को वैक्सीन का कम से कम एक डोज लग चुका है।

इसके साथ ही पिछले 7 दिनों से देशभर में पाजिटिविटी रेट बढ़ता दिखाई दे रहा है। 23 अगस्त को ओवरऑल पॉजिटिविटी रेट 1.3त्न था, जो 29 अगस्त तक बढ़कर 2.9त्न हो गया है।

केरल: यहां रविवार को 29,836 लोग संक्रमित पाए गए। 22,088 लोग ठीक हुए और 75 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 40.07 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 37.73 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 20,541 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 2.12 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र: यहां रविवार को 4,666 लोग संक्रमित पाए गए। 3,510 लोग ठीक हुए और 131 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 64.56 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 62.63 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.37 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 52 हजार मरीजों का इलाज चल रहा है।

छत्तीसगढ़: राज्य में रविवार को 19 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 49 लोग ठीक हुए। अब तक 10.04 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 9.90 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 13,555 लोगों की मौत हो चुकी है। 480 मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

केरल में अनोखी तस्करी:पेस्ट बनाकर जींस में पेंट कराया 15 लाख का सोना

तिरुवनंतपुरम । सोने की तस्करी करने वाले तस्कर नए-नए तरीके इजाद करते रहते हैं, ताकि वे एयरपोर्ट पर होने वाली जांच से बचकर तस्करी को अंजाम दे सकें। ऐसा ही एक मामला केरल के कन्नूर में सामने आया। यहां एक आरोपी जींस में पेंट करवाकर सोने की तस्करी कर रहा था। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (ड्ढ) ने सोमवार को कन्नूर एयरपोर्ट पर 302 ग्राम सोना जब्त किया। इसकी कीमत 14.69 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी युवक जींस के पेंट में सोने की लेयर पेंट कर उसे ले जा रहा था।

पेस्ट कर जींस के बीच में छिपाया था सोना: एयरपोर्ट पर तैनात सिक्योरिटी अधिकारियों को एक युवक डबल लेयर वाली पैंट पहने दिखा। संदेह होने पर अधिकारियों ने उसके कपड़े उतरवाए। जांच में सामने आया कि युवक ने जींस की दो लेयर के बीच सोने को पेंट किया है। कपड़े पर दोनों लेयर के बीच पीले रंग का पेंट लगा हुआ था। किसी आम व्यक्ति को देखने पर वह पेंट की तरह लग रहा था, लेकिन जांच के बाद पता चला की वह सोना है। पेस्ट बनाकर सोना तस्करी करने का यह तरीका बिल्कुल नया है। हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब तस्कर सोने का पेस्ट बनाकर किसी कपड़े में पेंट कर लेते हैं। यह देखने में चमकीले पेंट की तरह लगता है।

एक आदमी छत के एक हिस्से से गुजरता है जिसे न्यू ऑरलियन्स में तूफान इडा हवाओं द्वारा फ्रेंच क्वार्टर में एक इमारत से उड़ा दिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

नीरज ने पैरालंपिक में सिल्वर मेडल जीतने पर झाझरिया को दी बधाई, कहा- आप हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने सोमवार को टोक्यो पैरालिंपिक में रजत पदक जीतने वाले पैरा एथलीट भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया की सराहना की। उन्होंने कहा, आप हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जेवलिन थ्रोअर झझरिया और सुंदर सिंह गुर्जर ने सोमवार को पुरुषों की स्टैंडिंग जेवलिन (एफ46) स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। इस महीने की शुरुआत में टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने दोनों पैरा-एथलीटों को खेलों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। नीरज चोपड़ा ने ट्वीट किया, देवेंद्र भाई साहब आप हम सभी के लिए प्रेरणा हैं, आपके तीसरे पैरालिंपिक पदक के लिए बधाई! सुंदर भाई को भी कांस्य पदक जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई। पैरा-एथलीटों में झझरिया ने 64.35 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। पैरालंपिक खेलों में यह उनका तीसरा पदक भी था। इस बीच सुंदर ने 62.58 के सीजन के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। सुंदर फाइनल में भारतीय तिकड़ी में पहले स्थान पर रहे थी क्योंकि उन्होंने 62.58 के सीजन-सर्वश्रेष्ठ के साथ शुरुआत की।

आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे वाशिंगटन, टी20 में खेलना भी संदिग्ध

नई दिल्ली। भारत के प्रतिभाशाली क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर 19 सितंबर से यूएई में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे चरण में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि इंग्लैंड दौरे में उनकी उंगली की लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई और वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में फिटनेस परीक्षण में नाकाम रहे। आईपीएल में वाशिंगटन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से खेलते हैं। वह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये थे लेकिन अभ्यास के तौर पर काउंटी मैच खेलते समय उनकी उंगली चोटिल हो गयी और फिर वह स्वदेश लौट आये थे। यह 21 वर्षीय ऑफ स्पिनर और उपयोगी बल्लेबाज काउंटी टीम की तरफ से खेला था और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद पर चोटिल हो गये थे। आरसीबी ने बयान में कहा, ''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर उंगली की चोट के कारण आईपीएल 2021 के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे।'' उनकी जगह बंगाल क्रिकेटर आकाश दीप को आरसीबी की टीम में शामिल किया गया है। सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि वाशिंगटन ने कुछ दिन पहले बेंगलुरू में एनसीए में फिटनेस परीक्षण में हिस्सा लिया था लेकिन वह इसमें असफल रहे थे। इससे उनका टी20 विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध है जो आईपीएल के तुरंत बाद खेला जाएगा।

टोक्यो पैरालिंपिक मेडल विनर निषाद के लिए बड़ी घोषणा

हिमाचल सरकार देगी एक करोड़ रुपए; प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट करके दी बधाई, चारा काटने वाली मशीन में खोया था हाथ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोक्यो पैरालिंपिक में देश को रजत पदक दिलाने वाले निषाद कुमार को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। मंडी में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में यह घोषणा की है। टोक्यो पैरा ओलंपिक में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला के अंब के बदाऊ गांव निवासी निषाद कुमार ने इतिहास रचा है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को एक और मेडल दिलाया है। 21 वर्षीय निषाद कुमार ने हाई जंप टी47 में 2.06 मीटर की कूद लगाकर एशियाई रिकॉर्ड बनाया और दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें सिल्वर मेडल मिला है। अमेरिकी खिलाड़ी रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.15 मीटर की कूद के विश्व

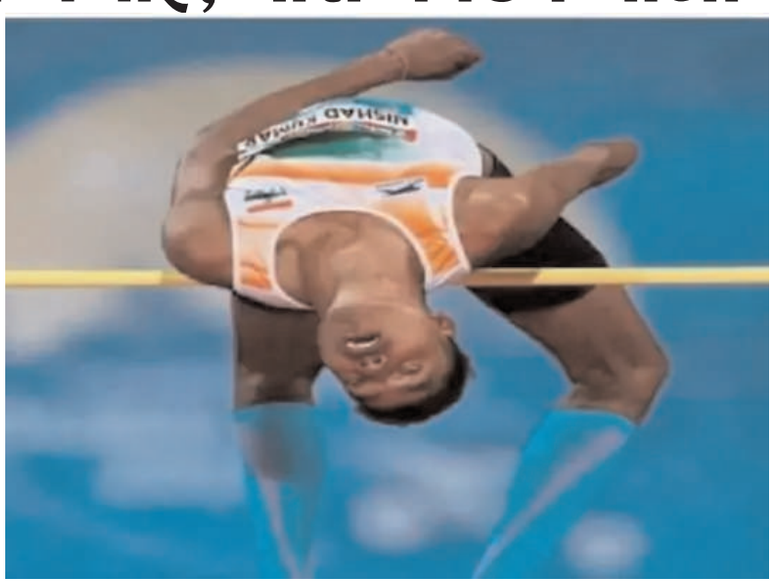

रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि इससे पहले भी प्रदेश सरकार की ओर से निषाद को तैयारियों के लिए 5 लाख रुपए दिए गए थे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह हिमाचल प्रदेश के अन्य युवाओं को भी इसी तरह प्रोत्साहित करेंगे, जो भारत और हिमाचल के लिए पदक ला सकें। इस साल के शुरू में दुबई में हुई ख्वाजा विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रीमियर में पुरुषों की ऊंची कूद टी 46/47 स्पर्धा में निषाद ने स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2009 में पैरा एथलेटिक्स में हिस्सा लेना शुरू किया था।

साल 2007 में चारा काटने वाली मशीन से कटा था हाथ

निषाद की मां अक्सर अपने बेटे की कटी हुई बाजू को देख कर रो देती थी। 2007 में निषाद पशुओं के लिए मशीन से चारा काट रहा था। इसी दौरान उसका हाथ मशीन में आ गया और कट गया। निषाद की मां का कहना था कि कब मशीन में घास डालते-डालते हाथ चला गया, पता ही नहीं चला। लेकिन निषाद ने हिम्मत नहीं हारी और उसका जज्बा देखकर मेरी भी हिम्मत बंध गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके दी बधाई

वहीं निषाद कुमार के रजत पदक जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए गौरव की बात है और हिमाचल के लिए सम्मान की बात।

मेरा लक्ष्य टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल जीतना

टोक्यो के सिल्वर मेडल ने मुझे सम्मान दिलाया

अब चीनी खिलाड़ी से हार का बदला डबल्स में लेना है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोक्यो पैरालिंपिक में भाविनाबेन पटेल ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने टेबल टेनिस के विमेंस सिंगल्स में क्लास-4 कैटेगरी में भारत को मेडल दिलाया है। फाइनल में भाविना का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग से था। यिंग ने भाविना को 11-7, 11-5 और 11-6 से हरा कर गोल्ड जीता। भाविना को सिल्वर मिला। वे टेबल टेनिस में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी हैं।

गुजरात के वाडनगर की रहने वाली भाविनाबेन पटेल से उनकी आगे की योजना और करियर को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि महिला सिंगल्स में हार का बदला डबल्स में चीनी टीम से लेंगी। डबल्स में उनकी पार्टनर गुजरात की सोनलबेन पटेल है। भारत का पहला मुकाबला मंगलवार को चीनी टीम से ही है।

आपका अगला टारगेट क्या है?

मेरा लक्ष्य टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल जीतना है और विमेंस सिंगल्स के फाइनल में हार का बदला डबल्स में चीनी टीम से लेना है। मैं डबल्स में सोनलबेन पटेल के साथ मिलकर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहती हूं। टेबल टेनिस में हमेशा से चीनी खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। सेमीफाइनल में चीन की झांग मियाओ को हराकर ही मैं फाइनल में पहुंची थी। मैं चाहती हूं कि मंगलवार को डबल्स के पहले मुकाबले में चीनी टीम को हरा कर अभियान की शुरुआत करूं। वहीं अगले साल होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल जीतना चाहती हूं।

अब तक करियर की चुनौतियों के बारे में बताएं?

मैं जब एक साल की थी, तो मुझे पोलियो हो गया था। मैं चौथी क्लास में थी, तो पापा ने मेरा ऑपरेशन भी करवाया, पर घर की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं होने की वजह से मेरा उस तरह से इलाज नहीं हो पाया। मेरे पापा गांव में ही छोटी सी दुकान चलाते हैं। मैं तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी हूं। मेरे दोनों भाई-बहन शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं। 12वीं तक की पढ़ाई मैंने गांव में ही की। उसके बाद मैं अपने पैरों पर खड़ा होने और जीवन में कुछ करने के लिए अहमदाबाद चली आई।

आप टेबल टेनिस से कब और कैसे जुड़ीं?

मैं जहां कंप्यूटर सीखने जाती थी, वहां की कुछ लड़कियां व्हीलचेयर टेबल टेनिस खेलती थीं, मैं भी उनके साथ टाइम पास के लिए खेलने लगी। 2007 में रोटरी क्लब की ओर से बैंगलुरु में व्हीलचेयर टेबल टेनिस चैंपियनशिप कराई गई थी, मैं भी गई थी, वहां मैंने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उसके बाद मैंने प्रोफेशनल ट्रेनिंग करना शुरू कर दी। वहीं 2011 में बैंकॉक ओपन में पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भाग लिया। मैं सिल्वर मेडल जीती। उसके बाद मैंने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा।

स्टुअर्ट बिन्नी ने लिया संन्यास

बांग्लादेश के खिलाफ झटके थे 4 रन देकर 6 विकेट भारत के लिए यह वनडे में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 2015 के बाद से उन्होंने एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था और पिछले छह साल से राष्ट्रीय टीम से भी बाहर चल रहे थे। स्टुअर्ट बिन्नी पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज रोजर बिन्नी के बेटे हैं। बिन्नी ने टीम इंडिया के लिए 6 टेस्ट, 14 एकदिवसीय और 3 टी-20 आई मैच खेले।

वनडे में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड

साल 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ स्टुअर्ट बिन्नी ने मात्र 4 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे और भारत के लिए वनडे में सबसे बढ़िया गेंदबाजी का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी कायम किया था, जो आज तक उनके ही नाम पर दर्ज है। 2014 के इंग्लैंड दौरे पर बिन्नी को टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिला था और उन्होंने दूसरी पारी में आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 114 गेंदों पर 78 रनों की शानदार पारी खेली

थी और मुकाबला ड्रॉ कराने में एक अहम किरदार निभाया था।

आगे भी इस खेल में देता रहूंगा योगदान

स्टुअर्ट बिन्नी ने एक प्रेस स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को प्रतिनिधित्व करके मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ। मैं बीसीसीआई और कर्नाटका क्रिकेट संघ को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनके समर्थन के बिना मैं कभी इतना आगे नहीं बढ़ सकता था। कर्नाटका की कप्तानी करना और रणजी ट्रॉफी जीतना एक अलग ही अनुभव और गौरव का क्षण था। क्रिकेट मेरी खून में बहता है और मैं आगे भी इस खेल के लिए अपना योगदान देता रहूंगा।

भारतीय एथलीट योगेश कथुनिया टोक्यो पैरालिंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद राष्ट्रीय ध्वज के साथ पोज देते हुए।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

बटलर की जगह सैम बिलिंग्स को टीम में शामिल किया गया

वोक्स की इंग्लैंड टीम में वापसी,12 महीने बाद टेस्ट खेल सकते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के खिलाफ 2 सितंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए क्रिस वोक्स और मार्क वुड की टीम में वापसी हुई है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर पैटरनिटी लीव पर जाने के कारण अगले मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह सैम बिलिंग्स को 15 खिलाड़ियों के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि उनके खेलने की उम्मीद न के बराबार है। कोच क्रिस सिल्वरवुड ने पहले ही कह दिया है कि जॉनी बेयरस्टो विकेट के पीछे की कमान संभालेंगे।

2020 में इंग्लैंड के प्लेयर ऑफ द ईयर रहे

2020 में इंग्लैंड के प्लेयर ऑफ द ईयर रहने वाले वोक्स को टेस्ट खेले 12 महीने से भी ज्यादा का समय हो चुका है। उन्होंने पिछला टेस्ट अगस्त 2020 में पाकिस्तान में खेला था। इसकी वजह इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की रोटेशन पॉलिसी रही है। भारत के दौरे से ठीक पहले वे चोटिल हो गए थे और पहले 3 टेस्ट से बाहर हो गए थे। अब वोक्स फिट हो चुके हैं और हाल ही में उन्होंने वार्विकशायर से मैच भी खेला था।

मार्क वुड भी पूरी तरह फिट हो चुके हैं

इसके अलावा दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के लिए शानदार बॉलिंग करने वाले वुड भी पूरी तरह फिट हो चुके हैं। उन्हें कंधे में चोट लगी थी। इसके बाद वुड को तीसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह शाकिब महमूद को स्क्वॉड में शामिल किया गया था। महमूद को अब काउंटी के लिए रिलीज कर दिया गया है और वे लंकाशायर से खेलते दिखाई देंगे। वहीं उम्मीद की जा रही है कि वुड भी चौथा टेस्ट खेल सकते हैं।

बटलर पिता बनने वाले हैं

वहीं बटलर पिता बनने वाले हैं। हालांकि वे आखिरी टेस्ट के लिए स्क्वॉड में शामिल होंगे या नहीं, इसकी पुष्टि इंग्लिश बोर्ड ने नहीं की है। अगला टेस्ट 2 सितंबर से केनिंग्टन ओवल में और आखिरी टेस्ट 10 सितंबर से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईटी कंपनियां: हुनरमंदों की तलाश

नई दिल्ली। देश की सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियां हजारों की संख्या में इंजीनियरों की नियुक्ति के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों का रुख कर रही हैं। इसकी वजह यह है कि आईटी कंपनियों से कर्मचारियों के नौकरी छोडऩे की दर खासी बढ़ गई है और डिजिटल क्रांति के बाद नए हुनर वाले कर्मचारियों की जरूरत भी पहले की तुलना में बढ़ गई है। आम तौर पर कंपनियां कॉलेजों में छात्रों को सालाना 3.0-3.5 लाख रुपये वेतन की पेशकश करती हैं लेकिन जो कुछ खास हुनर जैसे कोडिंग एवं प्रोगाम लैंग्वेज में माहिर होते हैं उन्हें अधिक रकम मिलती है। आईटी उद्योग जगत के लोगों एव मानव संसाधन (एचआर) विशेषज्ञों ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि सामान्य कौशल वाले छात्रों को कंपनियां अमूमनन 3.0-3.5 लाख रुपये सालाना वेतन देती हैं मगर कोई छात्र कुछ खास हुनर रखता है तो उसकी मांग बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए कई आईटी सेवा प्रदाता कोडिंग एवं प्रोग्राम लैंग्वेज उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को 6.5 से 8 लाख रुपये तक सालाना वेतन की पेशकश कर रही हैं। टीसीएस ने वेलूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) में मौजूदा सत्र के डिजिटल प्रोफाइल कैटेगरी के 319 छात्रों की भर्ती की है। कंपनी उन्हें 7 लाख रुपये वेतन की पेशकश करेगी। इसी तरह, विप्रो ने वीआईटी से टर्बो हायरिंग प्रोग्राम के तहत 2021 बैच से 419 लोगों की भर्तियां की थीं और इन्हें सालाना 6.5 लाख रुपये वेतन की पेशकश की गई। इन्फोसिस भी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज में दक्षता और कोडिंग जानने वाले छात्रों की भर्ती करती है। कंपनी ऐसे छात्रों को 8 लाख रुपये तक वेतन की पेशकश करती है।

पॉवेल के रुख से बाजार पर ज्यादा असर नहीं

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान से भारतीय शेयर बाजार पर खास असर पडऩे की आशंका नहीं है और न ही इससे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित होगा क्योंकि पॉवेल ने सतर्क रुख रखने की बात कही है। भारत सहित दुनिया भर के बाजार के भागीदार आश्वस्त थे कि फेडरल रिजर्व के चेयरमैन समायोजन वाली नीतियों को जल्दबाजी में वापस नहीं लेंगे। लेकिन अमेरिका में रोजगार बाजार में सुधार और मुद्रास्फीति के 2 फीसदी के लक्ष्य से ऊपर निकलने से दरों में बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि पॉवेल ने अपने भाषण और बाद में संवाददाता सम्मेलन में बाजार को आश्वस्त किया कि दरों में किसी तरह की बढ़ोतरी 120 अरब डॉलर के बॉन्ड खरीद कार्यक्रम को धीरे-धीरे घटाने के बाद ही की जाएगी।

धुआं घटेगा, बचत बढ़ेगी : मौजूदा कारों के इंजन भी इस ईंधन पर दौड़ेंगे

पेट्रोल में इथेनॉल का अनुपात 20 फीसदी हो तो 8 रुपए प्रति लीटर तक कीमत कम हो सकती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल में इथेनॉल का अनुपात मौजूदा 8.5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी करने की डेडलाइन 2030 के बजाय 2025 कर दी है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से कदम बहुत अच्छा है, मगर अभी तक आम जनता के मन में इस कदम को लेकर संशय बाकी हैं। जैसे- इथेनॉल मिलाने से क्या पेट्रोल सस्ता हो जाएगा? सबसे बड़ी चिंता ये कि मौजूदा गाड़ियां इस नए ईंधन ई-20 पर चल पाएंगी या नहीं। भास्कर ने इस विषय पर विशेषज्ञों से बात की। विशेषज्ञों के मुताबिक इथेनॉल की मौजूदा प्रोसेसिंग लागत पर ही यदि गणना करें तो ई-20 ईंधन पेट्रोल के मौजूदा रेट से 8 रुपए प्रति लीटर तक सस्ता हो सकता है। हालांकि ई-20 ईंधन मौजूदा कारों की क्षमता को कम करेगा। मगर गाड़ियों में ई-20 ईंधन के मुताबिक बदलाव बहुत महंगा नहीं है। 2 हजार रुपए तक के खर्च में मौजूदा दोपहिया और 4 हजार रुपए तक के खर्च में मौजूदा 4 पहिया वाहनों के इंजन को मॉडिफाई कर ई-20 के लायक बनाया जा सकता है। भारत अपनी परिवहन जरूरतों के लिए सालाना 8 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल आयात करता है। 2021 की पहली तिमाही में ही 1.8 लाख करोड़ का कच्चा तेल आयात किया। ई-20 से सालाना 30 हजार करोड़ तक की बचत होगी। मौजूदा इंजनों में ज्यादा इथेनॉल वाले ईंधन के इस्तेमाल से पुर्जों में जंग लगने की आशंका, माइलेज भी कम हो जाएगा... सरकार ने एक अधिसूचना जारी की जिसके तहत ऑटो कंपनियों को ऐसे वाहन डिजाइन करने होंगे जिनमें 12-15 फीसदी इथेनॉल मिले पेट्रोल का इस्तेमाल हो सके। दरअसल, हर ईंधन का एक रीड वेपर प्रेशर (आरवीपी) होता है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलेगा तो उसके आरवीपी वैल्यू में तब्दीली आएगी। इससे मौजूदा इंजनों के पुर्जों की क्षमता प्रभावित होगी। इंजन के पुर्जों में जंग लग सकती है। इससे कभी-कभी इंजन झटके के साथ बंद हो सकता है, खासकर दोपहिया वाहनों में इसकी आशंका ज्यादा है।

वाहन की माइलेज में भी कुछ कमी आ सकती है। वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के मुताबिक इससे बचने के लिए इंजन का हार्डवेयर व कई उपकरण बदलने होंगे, इंजन का री-कैलिबरेशन करना पड़ेगा। इसका खर्च दोपहिया वाहनों में 1 से 2 हजार रुपए और 4 पहिया वाहनों में 3 से 4 हजार रुपए तक आएगा।

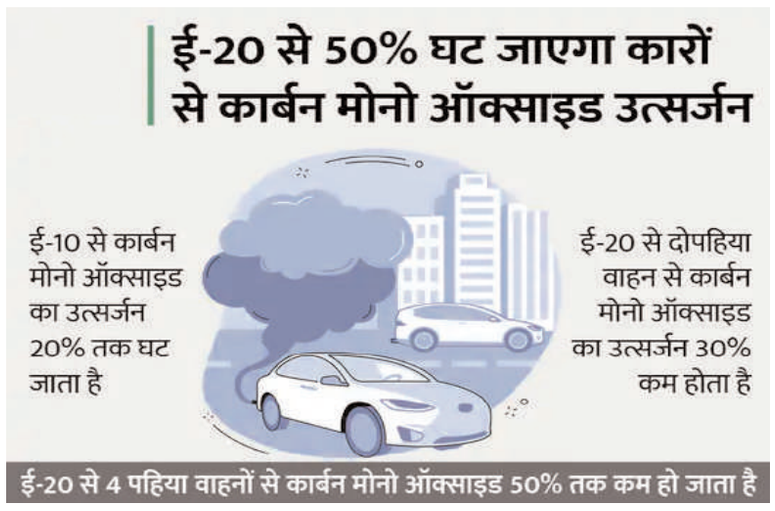

ई-20 से 50 फीसदी घट जाएगा कारों से कार्बन मोनो ऑक्साइड उत्सर्जन

ई-10 (पेट्रोल में 10 फीसदी इथेनॉल) से कार्बन मोनो ऑक्साइड का उत्सर्जन 20 फीसदी तक घट जाता है। ई-20 (20 फीसदी इथेनॉल मिला पेट्रोल) से दोपहिया वाहन से कार्बन मोनो ऑक्साइड का उत्सर्जन 30 फीसदी और 4 पहिया वाहनों में 50 फीसदी तक कम हो जाता है। हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन भी 20 फीसदी और नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन 10 फीसदी तक कम हो जाता है। कुल मिलाकर 16 फीसदी हानिकारक उत्सर्जन कम होगा।

पेट्रोल दिल्ली में 102 रुपए प्रति लीटर इथेनॉल 20 फीसदी हो तो दाम घटकर 94 रुपए हो सकते हैं:- फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 102 रुपए प्रति लीटर और इथेनॉल 60-62 रुपए प्रति लीटर मिलता है। 20 फीसदी इथेनॉल मिलाया जाए तो सामान्य गणना के मुताबिक 80 रुपए का पेट्रोल और करीब 12.50 रुपए का इथेनॉल होगा। यानी ईंधन की कीमत 92 रुपए/लीटर तक हो सकती है। हालांकि इथेनॉल ब्लेंडिंग के बाद ईंधन की कीमत तय करना पेट्रोलियम कंपनियों के ही हाथ में होगा।

PFRDA ने नेशनल पेंशन सिस्टम से जुड़े नियमों में किया बदलाव

अब 70 साल की उम्र तक इसमें हो सकेंगे शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए इसमें कुछ बदलाव किए हैं। इसके तहत NPS में शामिल होने की अधिकतम आयु 65 से बढ़ाकर 70 साल कर दी है। PFRDA द्वारा संशोधित नियमों को लेकर जारी एक सर्कुलर में कहा गया है कि 65-70 साल आयुवर्ग का कोई भी भारतीय नागरिक या ओवरसीज

सिटीजन ऑफ इंडिया NPS से जुड़ सकता है और 75 साल की आयु तक निवेश कर सकता है। 65 साल की उम्र के बाद इस योजना का लाभ लेने पर आप अपने निवेश का 50 हिस्सा इक्विटी में लगा सकेंगे। अगर कोई व्यक्ति 65 साल की आयु के बाद NPS से जुड़ता है तो अधिकतम एक्विटी एक्सपोजर ऑटो च्वाइस के डिफॉल्ट मोड में केवल 15 फीसदी होगा। वहीं, अगर ऐसे सब्सक्राइबर चाहें तो पेंशन फंड और एसेट एलोकेशन में मैक्सिमम इक्विटी एक्सपोजर को ऑटो मोड में 15 फीसदी और एक्टिव च्वाइस मोड में 50 फीसदी तक चुन सकते हैं। अब किसी भी NPS सब्सक्राइबर के पास एक्विव च्वाइस या ऑटो च्वाइस के जरिए अलग-अलग एसेट क्लास में अपने कंट्रीब्यूशन को एलोकेट करने की आजादी होगी।

NPS को जनवरी 2004 में सरकारी कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया था। 2009 में इसे सभी कैटेगरी के लोगों के लिए खोल दिया गया। कोई भी व्यक्ति अपने कामकाजी जीवन के दौरान पेंशन खाते में नियमित रूप से योगदान दे सकता है। इकट्ठा हुई धन राशि के एक हिस्से को वह एक बार में निकाल भी सकता है और बची हुई राशि का इस्तेमाल रिटायरमेंट के बाद नियमित आय प्राप्त करने के लिए कर सकता है। व्यक्ति के निवेश और उस पर मिलने वाले रिटर्न से NPS खाता बढ़ता है। इस स्कीम में केंद्र सरकार, राज्य सरकार, निजी क्षेत्र के कर्मचारी और आम नागरिक भी निवेश कर सकते हैं। NPS ग्राहकों को इक्विटी से एक साल में करीब 12.5-17 फीसदी तक रिटर्न मिला है।

अल्पकालिक व्यक्तिगत ऋण के लिए विश्वसनीय संस्थाओं को ही चुनें

नई दिल्ली। कर्ज लेने वालों से मोटी ब्याज दर और अग्रिम प्रक्रिया शुल्क वसूलने तथा वसूली करने वाले अपने एजेंटों की मार्फत उन्हें परेशान करने वाले ऑनलाइन ऋण प्रदाता प्लेटफॉर्म (ओएलपी) का मसला एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले सप्ताह दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक ऐसी जनहित याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि ऑनलाइन ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म सालाना 500 फीसदी तक की ऊंची ब्याज दर और 30 फीसदी तक का प्रक्रिया शुल्क वसूलते हैं। जब तक इन संस्थाओं के खिलाफ कोई विनियामकीय कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक कर्ज लेने वालों को अपने हितों का खुद ही खयाल रखने की जरूरत है।

ई-कॉमर्स नियमों से पहले राय पर विचार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय ई-कॉमर्स क्षेत्र के नियम कड़े करने के लिए इनमें संशोधन से पहले गंभीरतापूर्वक विचार करेगा और केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभागों, उद्योग तथा जनता जैसे भागीदारों की राय पर गौर करेगा। हाल में ई-कॉमर्स नियमों में संशोधन के प्रस्ताव की न केवल ई-कॉमर्स उद्यमियों बल्कि विभिन्न सरकारी विभागों ने भी आलोचना की। उन्होंने इसे लेकर चिंता जताई और सरकार को उन खंडों को बाहर रखने का सुझाव दिया जो उपभोक्ता संरक्षण के दायरे में नहीं आते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों, उद्योग संगठनों ने भी सरकार से आग्रह किया था कि ई-कॉमर्स प्रारूप नियमों पर पुनर्विचार की जरूरत है। उन्होंने चिंता जताई कि नियमों में प्रस्तावित बदलावों का उनके कारोबारी मॉडलों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि विभिन्न भागीदारों की राय जानने की योजना है, जो इस समय चल रही प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इस अधिकारी ने कहा, %भागीदारों के एक समूह ने बहुत से मुद्दे उठाए हैं। उनमें से हरेक पर गंभीरतापूर्वक विचार करने की जरूरत है। हर नजरिये पर विचार किया जा रहा है। जून में उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ता संरक्षण नियम, 2020 में कुछ संशोधनों का प्रस्ताव रखा था।

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

फोनपे को एक और सफलता

कंपनी को IRDAI से डायरेक्ट इंश्योरेंस ब्रोकर का लाइसेंस मिला, सभी कंपनियों के इंश्योरेंस प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूट करेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

डिजिटल पेमेंट कंपनी फोनपे को डायरेक्ट इंश्योरेंस ब्रोकर का लाइसेंस मिल गया है। यह लाइसेंस इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉर्टी ऑफ इंडिया से मिला है। अब डायरेक्ट ब्रोकिंग लाइसेंस के साथ फोनपे भारत में सभी इंश्योरेस कंपनियों के इंश्योरेंस प्रोडक्ट को डिस्ट्रीब्यूट कर सकेगी। नया ब्रोकिंग लाइसेंस, फोनपे को अपने यूजर्स के लिए व्यक्तिगत प्रोडक्ट अनुशंसाओं की पेशकश शुरू करने और भारतीय कंज्यूमर्स के लिए इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स के ज्यादा डायवर्स पोर्टफोलियो की पेशकश करने की मंजूरी देता है।

2020 में की थी इंश्योरेस के क्षेत्र में एंट्री

फोनपे ने पिछले साल 2020 में एक कॉर्पोरेट एजेंट के रूप में इंश्योरेंस सेगमेंट में एंट्री की। कंपनी ने हर कैटेगरी में सिर्फ 3 इंश्योरेंस कंपनियों के साथ पार्टनरशिप करने तक सीमित रखा। तब से कंपनी ने जनरल इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस में ऑफर लॉन्च किए।

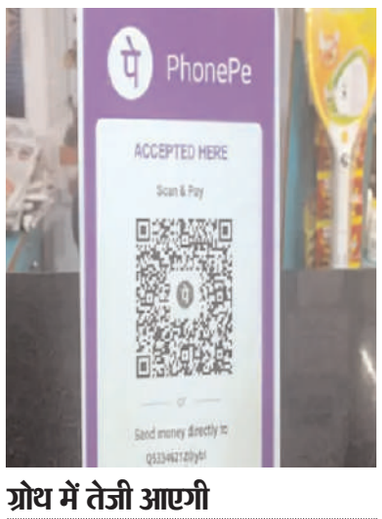

ग्रोथ में तेजी आएगी

फोनपे के वाइस प्रेसिडेंट और इंश्योरेंस के हेड गुंजन घई ने बताया कि लाइसेंस इश्योरेंस जर्नी में एक बड़ा मील का पत्थर है। ब्रोकिंग के इस कदम से हमें और गति मिलेगी और इस क्षेत्र में हमारी ग्रोथ में तेजी आएगी।

फोनपे के 30 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

फोनपे भारत का लीडिंग डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म है, जिसके 30 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। फोनपे के जरिए यूजर्स पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल, डीटीएच, डेटा कार्ड रिचार्ज कर सकते हैं। स्टोर पर पेमेंट कर सकते हैं। फोनपे के जरिए सोना भी खरीद सकते हैं और निवेश कर सकते हैं।

फोनपे ऐप भारत का लीडिंग UPI ऐप बनकर उभरा

फोनपे ऐप भारत का लीडिंग यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस ऐप बनकर उभरा है। जुलाई 2021 में कुल 1.4 बिलियन ट्रांजैक्शन किए गए, जिसका कुल मार्केट शेयर करीब 46 फीसदी रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के जारी आंकड़ों के मुताबिक फोनपे ऐप से जुलाई 2021 में कुल 2,88,572 करोड़ रुपए का लेनदेन किया गया है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।